इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

" यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति "॥

दावा

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

वर्ष- 45 | अंक - 282 | राजनांदगांव, सोमवार 31 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 4.00 रुपए

किर्गिस्तान पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी, एससीओ समिट में आतंकवाद पर रहेगा फोकस, भारत के साथ व्यापार बढ़ाने को बेताब बिश्केक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक पहुंच गए। यहां वह 26वें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। मनास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर किर्गिस्तान के कैबिनेट मंत्रियों के अध्यक्ष आदिलबेक कासिमालिएव ने पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी के इस दौरे में SCO सम्मेलन के अलावा किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सादिर झापारोव समेत अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय मुलाकातें भी प्रस्तावित हैं। भारत की ओर से क्षेत्रीय सुरक्षा, कनेक्टिविटी और आर्थिक अवसरों को प्रमुख प्राथमिकताओं के तौर पर आगे रखा जाएगा।

किर्गिस्तान रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा था कि भारत 2017 से एससीओ का सक्रिय और रचनात्मक सदस्य रहा है। उन्होंने कहा कि भारत क्षेत्र के लिए अपनी सोच को सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर के आधार पर आगे बढ़ाना चाहता है। पीएम मोदी ने आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद को क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए खतरा बताते हुए कहा कि भारत एससीओ के अन्य सदस्य देशों के साथ मिलकर ऐसे खतरों से मुक्त क्षेत्र के लिए काम करना चाहता है।

राष्ट्रपति समेत एससीओ नेताओं से मुलाकात

पीएम मोदी ने अपने दौरे के दौरान किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सादिर झापारोव और एससीओ के अन्य नेताओं से मुलाकात की उम्मीद जताई है। SCO शिखर सम्मेलन 31 अगस्त और 1 सितंबर को बिश्केक में हो रहा है और यह संगठन की स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री कई द्विपक्षीय बैठकों में भी शामिल होंगे। भारत के लिए यह दौरा मध्य एशिया के साथ रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिहाज से अहम है।

वर्ल्ड नोमैड गेम्स के उद्घाटन में भी होंगे शामिल

पीएम मोदी छठे वर्ल्ड नोमैड गेम्स के उद्घाटन समारोह में भी हिस्सा लेंगे। यह आयोजन मध्य एशिया की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक खेलों को प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि वह मध्य एशिया की इस जीवंत सांस्कृतिक विरासत को भारत की ओर से सम्मान देते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी यात्रा से मध्य एशिया के साथ भारत के सभ्यतागत जुड़ाव को और मजबूती मिलेगी।

भारत से कारोबार बढ़ाने की तैयारी में किर्गिस्तान

पीएम मोदी के दौरे से किर्गिस्तान को आर्थिक और कारोबारी मोर्चे पर भी काफी उम्मीदें हैं। किर्गिस्तान के निवेश मंत्री रवशनबेक साबिरोव ने कहा है कि मोदी की यात्रा से दोनों देशों के बीच निवेश, व्यापार और आर्थिक सहयोग को नई गति मिल सकती है। किर्गिस्तान भारत की कंपनियों को इंफ्रास्ट्रक्चर, अक्षय ऊर्जा, पर्यटन, टेक्नोलॉजी और एग्रो-इंडस्ट्री जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए आकर्षित करना चाहता है। मंत्री ने इसे दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देने वाला महत्वपूर्ण अवसर बताया है।

हार्मुज संकट : भारत को करोड़ों का नुकसान, ईंधन की आयात के लिए दो लाख करोड़ का बोझ

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका तथा ईजराईल के बीच चल रहे युद्ध के कारण हार्मुज जल मार्ग बंद होने से भारत का करोड़ो का नुकसान हुआ है। हार्मुज से क्रूड आइल की सप्लाय चेन में व्यवधान आने से भारत के लिए ईंधन की आयात मंहगी हो गई है। मार्च से अगस्त तक देश में क्रूड आइल, पेट्रोलियम पदार्थो और एल.पी.जी. की खरीदी के लिए 22 अरब डालर का अधिक खर्च करना पड़ा है। वर्तमान की विनिमय दर के अनुसार यह राशि दो लाख करोड़ तक पहुंच गई है। चीन के बाद भारत दूसरा आयातकार है, जो इस संकट से प्रभावित है। सेंटर फॉर रिसर्च आन एनर्जी एण्ड क्वीन एयर याने कि सी.आर.एफ.ए. की जानकारी के अनुसार निर्यात से हुए मुनाफा के चार्ट का अवलोकन भारत पर तमाम फोसिल फ्यूएल की आयात की वृद्धि का खर्च 14.4 अरब डालर हुआ था, जो भारत की जीडीपी का 0.38 प्रतिशत और देश की 1.4 दिन की आय के बराबर है। क्रूड आयल के लिए भारत के लिए शुद्ध वृद्धि खर्च 20.5 अरब डालर आंका गया है। वृद्धि के खर्च के मामले में भारत युरोपीय संघ और चीन के बाद तीसरे नंबर पर था। युरोपीय संघ को 78 अरब डालर और चीन को 35 अरब डालर का खर्च हुआ था।

○ क्रूड आईल और एल.पी.जी. महंगे होने से ईकानमी पर दबाव बढ़ा
○ मार्च से अगस्त के बीच भारत के ईंधन के आयात का खर्च २२ अरब डालर बढ़ा

मार्च से अगस्त में बेन्ट क्रूड की डील लगातार कीमत प्रति बैरल 93 डालर हुई थी। 23 जुलाई को बेन्ट क्रूड बढ़कर प्रति बैरल 105 डालर हो गई थी। मार्च में डीजल 57 प्रतिशत और अगस्त में 65 प्रतिशत मंहगा हुआ था। एशिया में एल.पी.जी. की कीमत जून में 64 प्रतिशत अधिक थी, जो अगस्त में 98 प्रतिशत अधिक थी। एल.एन.जी. का आयात बिल लगभग 4.7 अरब डालर रहा था। जिसमें हार्मुज संकट के कारण खर्च में 1.1 अरब डालर का अधिक खर्च हुआ था।

'सरकार पर लोगों का भरोसा लगातार घट रहा', सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके बोले- 'प्रदर्शन आखिरी रास्ता'

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मनोज जरांगे पाटिल के आंदोलन का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि देश के लोगों के मन में यह भावना बढ़ रही है कि सरकार उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा और रोजगार देने में पूरी तरह नाकाम रही है। दीपके के मुताबिक, इसी वजह से लोगों का सरकार पर भरोसा लगातार कम हो रहा है। अभिजीत दीपके ने कहा कि किसी को आंदोलन करने में खुशी नहीं होती। जब बातचीत और अनुरोध के बाद भी सरकार लोगों की बात नहीं सुनती, तब मजबूरी में आंदोलन करना पड़ता है। उन्होंने मनोज जरांगे पाटिल के आंदोलन को भी इसी स्थिति से जोड़कर देखा।

सरकार की नाकामी की वजह है आंदोलन

दीपके ने कहा कि मनोज जरांगे पाटिल मराठा समाज के बच्चों के लिए अच्छी शिक्षा और रोजगार की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इसे मौजूदा समय का सबसे बड़ा और जरूरी मुद्दा बताया। अभिजीत के मुताबिक, सरकार की जिम्मेदारी है कि बच्चों को अच्छी शिक्षा और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलें। अगर ऐसा किया गया होता तो मनोज जरांगे को आंदोलन करने की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में काम नहीं होने और बच्चों को रोजगार के अवसर नहीं मिलने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। इसी वजह से लोग आंदोलन का रास्ता चुनने को मजबूर हो रहे हैं।

मैं मनोज जरांगे से मिलने जरूर जाऊंगा

जब पत्रकार ने दीपके से पूछा कि क्या वह मनोज जरांगे पाटिल से मिलने जाएंगे, तो उन्होंने कहा कि वह जरूर उनसे मिलने जाएंगे। दीपके ने कहा कि जिस तरह मनोज जरांगे पाटिल दिल्ली आकर उनके आंदोलन का समर्थन करने पहुंचे थे, उसी तरह अब उनका भी कर्तव्य है कि वह उनके साथ खड़े हों।

मोहन भागवत के बयान का भी जिक्र

बातचीत के दौरान दीपके से आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के अमेरिका में दिए बयान को लेकर भी सवाल किया गया। भागवत ने न्यूयॉर्क में कहा था (शेष पृष्ठ 6 पर...)

नेपाल के लिए संकटमोचक बना भारत, बड़े राहत पैकेज की तैयारी, 2015 के भूकंप में भी बना था मददगार

नई दिल्ली। नेपाल में भीषण बाढ़ और भूस्खलन से मची तबाही के बीच भारत पड़ोसी देश के लिए एक बड़ा राहत पैकेज देने पर विचार कर रहा है। फिलहाल नई दिल्ली राहत सामग्री, बचाव दल और तकनीकी मदद भेज रही है। वित्तीय पैकेज की औपचारिक घोषणा हालात के पूर्ण आकलन के बाद ही होने की संभावना है।

पीएम नरेन्द्र मोदी के विदेश दौरे से वापस आने के बाद इस बारे में फैसला संभव है। पीएम मोदी ने आपदा के तुरंत बाद नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से बात की थी और हर संभव सहायता का भरोसा दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया है कि रविवार तक नेपाल के आपदा प्रभावित इलाकों से 149 भारतीयों को सकुशल बाहर निकाला गया है। इनके नामों की सूची भी सोशल मीडिया पर जारी की गई है।

68.5 टन राहत सामग्री-विशेषज्ञ दल नेपाल भेजे

उसके बाद भारतीय वायुसेना के विमान लगातार काठमांडू के लिए रवाना हो रहे हैं। अब तक चार उड़ानों में करीब 68.5 टन राहत सामग्री पहुंच चुकी है। इसमें तंबू, कंबल, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, स्वच्छता किट, सोलर लैंप, दवाइयां, खाद्य पैकेट, जनरेटर, पानी शुद्ध करने वाली गोलियां और जल निकासी पंप शामिल हैं। केवल सामान नहीं, भारत की विशेषज्ञ टीमें भी भेजी गई हैं। डॉक्टर-पैरामेडिक दल के साथ बिजली परियोजनाओं से जुड़े सुरंग में फंसे लोगों की टोह लेने वाली टीम और डीएनए जांच के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञ नेपाल पहुंच चुके हैं। आपदा में त्रिशुली जिल में 11 बिजली पनबिजली परियोजनाओं के प्रभावित होने की सूचना मिली है। इन सभी परियोजनाओं में बड़ी संख्या में कर्मचारियों के सुरंग में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है।

भारत नेपाल के लिए बड़े राहत पैकेज पर विचार कर रहा

भारत ने संपर्क मार्ग बहाल करने के लिए बेली ब्रिज का सामान भी भेज दिया है। एक ब्रिज पहले से नेपाल में है, (शेष पृष्ठ 6 पर...)

नेपाल बाढ़ : मृतक संख्या 781 हुई, करीब 2,500 लोग अब भी लापता

काठमांडू। नेपाल में आई भीषण बाढ़ में मरने वालों की संख्या रविवार को बढ़कर 781 हो गई, जबकि 2,500 से ज्यादा लोग अब भी लापता हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित सभी आठ जिलों से शव बरामद किए गए हैं। आपदा के पांचवें दिन भी बचावकर्मी लापता लोगों की तलाश में लगे हैं, साथ ही फंसे हुए लोगों को निकालने का अभियान भी जारी है।

नेपाल-तिब्बत सीमा के निकट हिमनद के टूटने के बाद 26 अगस्त को हिमस्खलन जैसी घटना से पानी, कीचड़ और मलबे का तेज बहाव नीचे की ओर आया, जिसने मध्य नेपाल में कस्बों और गांवों को तबाह कर दिया, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया और जलविद्युत केंद्रों को नष्ट कर दिया।

राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने बताया कि इस त्रासदी में मृतकों की संख्या बढ़कर 781 हो गई है। एनडीआरआरएमए के अनुसार, अबतक चितवन जिले से 272 शव, नवलपरासी पूर्व से 199, नवलपरासी पश्चिम से 100 और गोरखा जिले से 58 शव बरामद किए गए हैं। इसी तरह, नुवाकोट से 52, धादिंग से 50, तनहू से 37 और रसुवा से 13 शव मिले हैं। एनडीआरआरएमए ने बताया कि इस आपदा के बाद अब भी 2,502 लोग लापता हैं, जबकि 9435 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है।

पीएम मोदी ने युवाओं को नशे से दूर रहने की दी सलाह, विकसित भारत के संकल्प पर दिया जोर

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें एपिसोड के जरिए देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जोर देते हुए कहा कि एक 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए देश का नशामुक्त (ड्रग-फ्री) रहना बेहद अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि यह सरकार का दृढ़ संकल्प है कि देश की युवा पीढ़ी के भविष्य को सुरक्षित बचाया जाए। इसके साथ ही उन्होंने 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इसमें भारी संख्या में लोग और विशेषकर युवा बढ़-चढ़कर अपनी हिस्सेदारी निभा रहे हैं।

कंटेंट क्रिएटर्स से की अपील

मासिक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने देश के कंटेंट क्रिएटर्स से आग्रह किया कि वे नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के खिलाफ विभिन्न भाषाओं में जागरूकता संदेश फैलाएं और युवाओं को समझाएं कि उन्हें इन चीजों से क्यों दूर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि ड्रग्स की लत पूरे परिवार और समाज को अपनी चपेट में ले लेती है। उन्होंने उन सभी लोगों की सराहना की जो नशा विरोधी (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पीएम मोदी को मिला उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान, यूरेनियम सप्लाई पर दोनों देशों के बीच हुआ समझौता

ताशकंद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय उज्बेकिस्तान यात्रा कई ऐतिहासिक समझौतों और उपलब्धियों के साथ संपन्न हो गई। यात्रा के दौरान यूरेनियम सप्लाई पर सहमति बन गई है। उज्बेकिस्तान ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑली दाराजली डस्टलिक' से नवाजा है। पीएम मोदी को रविवार को उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने अपने देश के सर्वोच्च राज्य सम्मान ओली दाराजली डस्टलिक से सम्मानित किया। यह पीएम मोदी को मिला 36वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।

इन समझौतों को भी दिया गया अंतिम रूप

हालांकि, वार्ता का दायरा केवल इसी तक सीमित नहीं था। भारत और उज्बेकिस्तान सिस्टर-सिटी और सिस्टर-स्टेट से जुड़े तीन समझौतों को भी अंतिम रूप दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी का स्पष्ट कहना था कि इन्हें सिर्फ कागजी औपचारिकताओं तक सीमित न रखा जाए, बल्कि एक ठोस रोडमैप तैयार किया जाए ताकि इन साझेदारियों के नतीजे जमीनी स्तर पर दिखाई दें। बैठक में शहरी विकास पर भी चर्चा हुई। उज्बेकिस्तान फिलहाल 'नया ताशकंद' नाम से एक बिल्कुल नया शहर बसा रहा है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात की 'गिफ्ट सिटी' को स्टडी के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में पेश किया। साथ ही, उन्होंने उज्बेकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल को भारत आने का निमंत्रण दिया ताकि वे इस परियोजना के नियोजन, तकनीक और कार्यान्वयन को करीब से समझ सकें।

व्यापार 1 अरब डॉलर के पार पहुंचा

उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने भारत को एक विश्वसनीय रणनीतिक साझेदार करार दिया। उन्होंने साझा किया कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार पिछले वर्ष पहली बार (शेष पृष्ठ 6 पर...)

'भारत में मुस्लिम नहीं होने चाहिए, ऐसा सोचना हिंदुत्व नहीं है', न्यूयॉर्क में बोले मोहन भागवत

न्यूयॉर्क। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में 'वन वर्ल्ड वन ह्यूमैनिटी' कार्यक्रम में धर्म, मानवता और भारत की परंपराओं पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भारत की पारंपरिक सोच रही है कि धर्म अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक है। मोहन भागवत ने कहा कि यदि कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, तो वह एक हिंदू नहीं रह जाएगा। उन्होंने कहा कि खुद को हिंदू कहने के लिए यह मानना जरूरी है कि सभी रास्ते एक ही लक्ष्य की ओर जाते हैं और हर इंसान की अपनी गरिमा है।

हिंदुत्व का मतलब मुस्लिमों को बाहर करना नहीं

कार्यक्रम में बोलते हुए भागवत ने कहा कि दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कुछ मुसलमानों ने उनसे पूछा था कि क्या हिंदू राष्ट्र में मुसलमानों का स्थान होगा, इस पर उन्होंने कहा था कि अगर कोई सोचता है कि भारत में मुसलमानों की जगह नहीं है, तो यह हिंदुत्व नहीं है। भागवत ने कहा कार्यक्रम में बोलते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि वह न तो धार्मिक विद्वान हैं और न ही वहां मौजूद धार्मिक नेताओं की तरह कोई धार्मिक प्राधिकारी हैं। लेकिन वह ऐसे समाज में काम करते हैं, जिसकी पारंपरिक सोच है कि धर्म अलग हो सकते हैं, लेकिन मानवता एक है।

हर इंसान का सम्मान और गरिमा समान है

कार्यक्रम में भागवत ने आगे कहा कहा कि अगर कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में कोई मुसलमान नहीं होना चाहिए, तो यह हिंदू नहीं रह जाएगा। आरएसएस सुप्रीमो ने कहा अगर कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में कोई मुस्लिम नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह जाएगा। अगर आप खुद को हिंदू कहना चाहते हैं तो आपको यह मानना होगा कि सभी रास्ते एक ही लक्ष्य तक पहुंचते हैं और हर इंसान का सम्मान और गरिमा समान है। इंसानों के बीच कोई भेद नहीं है।

सत्य एक है और मानवता उसी सत्य से पैदा हुई है

भागवत ने कहा कि सत्य एक है और मानवता उसी सत्य से पैदा हुई (शेष पृष्ठ 6 पर...)

इस्तीफा : आईएएस दिव्या मित्तल ने 13 साल की सेवा को कहा अलविदा, भावुक पोस्ट में लिखा- पद छूट गया, सपना नहीं

लखनऊ। आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल ने 13 वर्षों की प्रशासनिक यात्रा को विराम देते हुए अपनी इच्छा से पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश साझा कर अपने फैसले की जानकारी दी। पोस्ट में उन्होंने आईएएस बनने के सफर से लेकर प्रशासनिक सेवा के दौरान आम लोगों से मिले अनुभवों और सीख को साझा किया। दिव्या मित्तल ने बताया कि साधारण परिवेश में पली-बढ़ी होने के बावजूद उन्होंने बेहतर और सफल जीवन का सपना देखा था। दिन-रात मेहनत कर उन्होंने आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बेंगलुरु से पढ़ाई की। इसके बाद लंदन में नौकरी मिली। हालांकि, सब कुछ हासिल कर लेने के बाद भी उन्हें अपने देश से दूर होने का खालीपन महसूस होता रहा। उन्होंने लिखा कि उनकी शिक्षा, आत्मविश्वास और दुनिया में कहीं भी सिर उठाकर चलने की ताकत इसी देश की मिट्टी का कर्ज है। इसी कर्ज को चुकाने की इच्छा से वह भारत लौटीं और आईएएस अधिकारी बनने का अवसर मिला।

सही के साथ खड़ा होना विकल्प नहीं, कर्तव्य है

अपने प्रशासनिक अनुभवों को याद करते हुए दिव्या मित्तल ने देवरिया और मीरजापुर की सेवा को खास तौर पर याद किया। लिखा कि देवरिया ने उन्हें सिखाया कि सही के साथ खड़ा होना कोई विकल्प नहीं बल्कि कर्तव्य है। वहीं मीरजापुर ने सिखाया कि 'असंभव' कोई तथ्य नहीं, बल्कि सिर्फ एक राय है। मां विंध्यवासिनी के प्रति अपनी आस्था का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनके चरणों में बैठकर यह सीख मिली कि शक्ति किसी पद से नहीं, बल्कि उनकी कृपा और लोगों के विश्वास से आती है। जीवन की सबसे बड़ी सीख यह रही कि अपने लिए देखे गए सपने तो पूरे हो चुके थे, लेकिन इसके बाद अपने लोगों के लिए देखे सपनों को जीना था।

हर सरकारी फाइल के पीछे एक व्यक्ति है

दिव्या मित्तल ने प्रशासनिक सेवा के दौरान आम लोगों के जीवन में आए बदलावों को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने लिखा कि उस परिवार की आंखों में खुशी देखना, जिसे पहली बार जमीन का हक मिला, दिव्यांग व्यक्ति को सम्मान से जीने का अवसर मिलना और किसान के खेत तक पानी पहुंचना ही उनके जीवन का असली (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पहला कॉलम...

स्वाइन फ्लू (H1N1) के खिलाफ मजबूत ढाल है आयुर्वेद चिकित्सा- डॉ. सिद्धांत गोस्वामी

राजनांदगांव (दावा)। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से जटिल से जटिल रोगों का सुरक्षित और प्रभावी उपचार संभव है। बदलती जीवनशैली और मौसमी बदलाव के बीच स्वाइन फ्लू (H1N1) जैसे संक्रामक वायरस के खिलाफ आयुर्वेद एक सुरक्षा ढाल का काम करता है।

यह बात भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश सहसंयोजक डॉ. सिद्धांत गोस्वामी ने कही। डॉ. गोस्वामी ने बताया कि H1N1 वायरस मुख्य रूप से मानव शरीर के श्वसन तंत्र (रेस्पिरेटरी सिस्टम) पर हमला करता है। जब यह वायरस सांस के जरिए फेफड़ों में प्रवेश करता है, तो वहां की कोशिकाओं को तेजी से नष्ट करने लगता है और अपनी संख्या बढ़ाता है। इसके साथ ही यह वायरस पाचन तंत्र पर भी गहरा विपरीत असर डालता है। पहचानें स्वाइन फ्लू के लक्षणडॉ. सिद्धांत के अनुसार, ठंड लगना, सूखी खांसी, गले में तेज खराश, नाक बहना या बंद होना, सिरदर्द तथा शरीर व मांसपेशियों में तेज दर्द (H1N1) वायरस संक्रमण के प्रमुख प्रारंभिक लक्षण हैं। आयुर्वेद और योग से संभव है संपूर्ण बचावउन्होंने कहा कि आयुर्वेद में 'ओजस' (रोग प्रतिरोधक क्षमता) को बढ़ाकर किसी भी प्रकार के वायरल संक्रमण से बचाव की ठोस व्यवस्था है। गिलोय, तुलसी, हल्दी और अदरक जैसी औषधीय जड़ी-बूटियां फेफड़ों तथा श्वसन तंत्र को मजबूती प्रदान कर संक्रमण से सुरक्षा देती हैं।

डॉ. गोस्वामी ने जोर देकर कहा कि नियमित योग, व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित खान-पान और आयुर्वेद का समन्वय स्वाइन फ्लू के जोखिम को न्यूनतम स्तर पर ला सकता है। वर्तमान समय में प्राकृतिक और दुष्प्रभाव-मुक्त होने के कारण आयुर्वेद चिकित्सा पर आम जनता का विश्वास निरंतर बढ़ रहा है।

महतारी वंदन के विरोध से कांग्रेस की महिला विरोधी मानसिकता उजागर - रवि सिन्हा

राजनांदगांव (दावा)। नेता प्रतिपक्ष के हालिया बयान में स्पष्टता का घोर अभाव दिखाई दे रहा है। एक ओर वे माताओं-बहनों को हर महीने आर्थिक संबल प्रदान करने वाली महतारी वंदन योजना को बंद करने की बात करते नजर आते हैं। वहीं दूसरी ओर इसी योजना की कमियां गिनाकर अपनी बात रखने का प्रयास कर रहे हैं। कभी महंगाई का मुद्दा उठाया जाता है, तो कभी महतारी वंदन योजना को लेकर भ्रम पैदा किया जाता है। आखिर उनका वास्तविक रुख क्या है। यह जनता के लिए समझ पाना भी मुश्किल हो गया है। पार्षद रवि सिन्हा ने कहा कि माताओं-बहनों को हर महीने आर्थिक सहायता देने वाली महतारी वंदन योजना का विरोध कांग्रेस की महिला विरोधी मानसिकता को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। कांग्रेस का इतिहास भी बताता है कि जब-जब महिलाओं को अधिकार और सम्मान देने की दिशा में कोई बड़ा कदम उठाया गया, कांग्रेस ने उसका विरोध किया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के संदर्भ में कांग्रेस द्वारा दर्ज कराए गए विरोध का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं को राजनीतिक और सामाजिक रूप से सशक्त होते देखना कांग्रेस को स्वीकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि केवल बयानबाजी कर अपनी राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कराने और बेसिर-पैर की बातें करके राजनीतिक कद बढ़ाने की नाकाम कोशिश करने के बजाय नेता प्रतिपक्ष को अपनी ऊर्जा अपने वार्ड और शहर के विकास में लगानी चाहिए। जनता ने जनप्रतिनिधियों को समस्याओं के समाधान और क्षेत्र के विकास के लिए चुना है, न कि हर विषय को राजनीतिक बयानबाजी का मुद्दा बनाने के लिए। रवि सिन्हा ने कहा कि महतारी वंदन योजना को लेकर कांग्रेस को अपना रुख पहले स्पष्ट करना चाहिए—क्या वह माताओं-बहनों को मिलने वाली आर्थिक सहायता के पक्ष में है या उसके विरोध में? जनता अब भ्रम और बयानबाजी नहीं, बल्कि स्पष्ट नीति, जिम्मेदार राजनीति और धरातल पर दिखाई देने वाला विकास चाहती है।

बटनदार चाकू के साथ धरा गया आरोपी

राजनांदगांव (दावा)। चिचोला चौकी पुलिस ने अपने चौकी क्षेत्र में बटनदार चाकू लहरा कर लोगों को डरा धमका रहे आरोपी को धर दबोचा गया। पुलिस ने आरोपी के पास से बटनदार चाकू जप्त किया और उसे गिरफतार कर तथा न्यायालय के समक्ष पेश कर उसे न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया है । चिचोला चौकी प्रभारी योगेश पटेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि एक व्यक्ति जिसका नाम देवेन्द्र यादव है जो राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 53 छुरिया मोड के पास आने- जाने वाले को बटनदार चाकू लहराकर डरा धमका रहा है। पुलिस ने मौके पर जाकर तस्दीक किया गया जो आरोपी देवेन्द्र यादव पिता देवकुमार यादव उम्र करीबन 20 वर्ष ग्राम बापूटोला बटनदार चाकू लहराकर आने-जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा है। जिसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

dts श्री कृष्णा (एयरकूल) में

रोजाना 3 खेल, समय
पहला शो 11.45 बजे, दूसरा शो 3.15, तीसरा शो रात 8.45 बजे

टॉक्सी

रॉकी यश कुमार, नयन तारा, कियारा

टिकट दर बालकनी 150/-
रिजर्व - 120/-

ऑनलाईन बुकिंग paytm & bookmyshow.com

अगले चार-पांच दिनों तक बनी रह सकती है ऐसी ही स्थिति

सावन-भादो में रिमझिम बारिश का बना माहौल, वातावरण में आई ठंडकता

राजनांदगांव (दावा)। सावन मास की बिदाई में बंगाल की खाड़ी में सिस्टम के बनने से रुक-रुक कर ही सही पर रिमझिम बारिश का माहौल बना हुआ है। स्वतंत्रता दिवस के दिन से सिस्टम का बनना शुरू हुआ उसके पश्चात बारिश - पानी का माहौल बनने से वातावरण में ठंडकता आने लगी । मौसम खुशगवार हो उठा है। रक्षाबंधन के दिन को छोड़ दें तो इसके दूसरे दिन से आकाश में काले बादल छाने व रिमझिम बारिश होने से पूरा वातावरण चेंज हो गया है।

भले ही इससे जन जीवन पर असर पड़ रहा है। लोगो को चाय की चुस्कियां व गर्म पेय सुहाने लगे हैं। वहीं इस बारिश से शहर के सड़कों में उभर आए बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी को नकारा

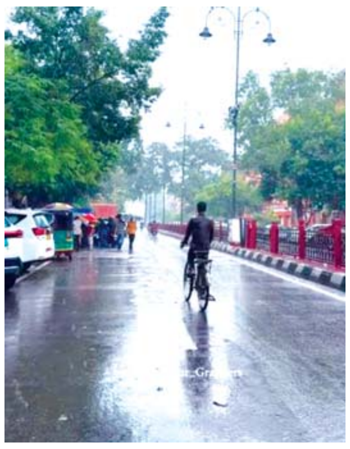

नहीं जा सकता। बता दें कि अगस्त माह में अच्छी बारिश होने से मोंगरा बांध छलकने लगता था। इस बार अगस्त माह में सिर्फ बार ही नौबत आई जब मोंगरा बांध से पानी छोड़ना पड़ा था। भादो मास के रिमझिम फुहारों से एक बार फिर मोंगरा बांध भरने के कगार में है। भू-राजस्व विभाग की मानें तो इस सीज़न में अब तक राजनांदगांव ब्लाक में ज्यादा पानी है वहीं घुमका व छुरिया ब्लाक में कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। भादो मास में हो रही रिमझिम बारिश से इस क्षेत्र के किसानों की यह चिंता भी समाप्त हो जाएगी।

प्रदेश में मौसम का बदला मिजाज

मौसम विज्ञानी एच पी चंद्रा ने बताया कि छत्तीसगढ़ में मौसम के मिजाज में बदलाव आया है। इसके चलते अभी चार-पांच दिन तक मौसम का मिजाज ऐसे ही बना रहेगा। श्री चंद्रा के अनुसार उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी तथा उससे लगे पश्चिम बंगाल -उत्तर ओड़िसा तक पर बना कम दबाव का क्षेत्र पूरी तरह सक्रिय हैं। यह सिस्टम समुद्र तल से करीब 7 ,6 कि मी की उंचाई तक फैला हुआ है। इसके 48 घंटों में यह और भी मजबूत हो कर उत्तर ओड़िसा और गंगीय पश्चिम बंगाल की ओर बढ़ने का अनुमान है। इसके प्रभाव से प्रदेश में अगले चार-पांच दिनों तक बारिश की स्थिति बन सकती है। इससे राज्य के अधिकांश हिस्सों में मध्यम, जबकि कई स्थानों में गरज-चमक और आकाशीय बिजली तथा भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। इसके लिए चेतावनी जारी कर दिया गया है।

खेती की फसल के लिए यह बारिश बनी संजीवनी

श्रावण मास के बाद भादो मास लगते ही बारिश -पानी के बने सिस्टम से रिमझिम बारिश सुहाने लगा है। भले ही दिन भर हो रही रिमझिम बारिश से जनजीवन प्रभावित हो रहा है लेकिन यह बारिश खेती -किसानी के लिए संजीवनी का काम दे रहा है। खेतों में जलस्तर बढ़ा है वहीं नदी नालों व जलाशयों में भी जल भराव हुआ है।

पशु चिकित्सा विभाग की लापरवाही से खत्म हो रहा डेयरी व्यवसाय और मर रहे कई जानवर

विभाग के प्रमुख अधिकारी पर उठ रही उंगली

इस संबंध में पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के जिलाधिकारी सहायक संचालक अनूप चटर्जी से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया। कई बार फोन किए जाने के बावजूद उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। इसके बाद भी उनकी ओर से कोई कॉल बैक नहीं किया गया। विभाग से जुड़े गंभीर आरोपों पर अधिकारी का पक्ष सामने नहीं आ सका है।

राजनांदगांव (दावा)। जिले में पशुपालन और डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं लेकिन जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ पशुपालकों तक कितना पहुंच रहा है। यह अब सवालों के घेरे में है। पशु चिकित्सा एवं सेवाएं विभाग की कथित लापरवाही के चलते जिले में डेयरी व्यवसाय के सामने संकट खड़ा होता दिखाई दे रहा है। वहीं दूसरी ओर कई गांवों में मवेशियों के बीमार होने और उपचार के अभाव में उनकी मौत होने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। पशुपालकों का आरोप है कि गांवों में संचालित पशु औषधालयों और वहां पदस्थ पशु चिकित्सा सहायकों की नियमित उपलब्धता को लेकर गंभीर स्थिति बनी हुई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ कर्मचारियों को शासन की ओर से आवास अथवा मकान किराए की सुविधा मिलने के बावजूद उनके मुख्यालय में नहीं रहने की शिकायतें सामने आ रही हैं। आरोप है कि कई कर्मचारी अपने शहरी निवास अथवा निजी गांवों से आवागमन करते हैं। ऐसे मामलों में स्थानीय स्तर पर पंच-सरपंच से प्रमाणित दस्तावेजों के आधार पर मकान किराया लेने की बात भी कही जा रही है। यदि यह आरोप सही हैं तो इसकी निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय किया जाना आवश्यक है। पशुपालकों का कहना है कि मवेशियों के बीमार पड़ने पर समय पर सरकारी पशु चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पाने के कारण उन्हें निजी स्तर पर इलाज कराना पड़ता है। कई मामलों में पशुपालकों से उपचार के नाम पर बड़ी रकम वसूले जाने की शिकायत भी सामने आती है। आर्थिक रूप से कमजोर पशुपालकों के लिए महंगा उपचार कराना मुश्किल हो जाता है और वे मजबूरी में घरेलू स्तर पर ही अपने मवेशियों का इलाज करने का प्रयास करते हैं। पशुपालकों का कहना है कि जब महंगे पशुओं का समय पर उपचार नहीं हो पाता तो बीमारी बढ़ने के साथ पशु की हालत गंभीर हो जाती है।

गाय, बैल, भैंस और बछड़ों के बीमार होने तथा उपचार के अभाव में उनकी मौत की घटनाएं पशुपालकों के लिए आर्थिक नुकसान का कारण बन रही हैं। शासन का उद्देश्य पशुपालन को आधुनिक एवं लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करना, उन्नत नस्ल के पशुओं को बढ़ावा देना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। डेयरी व्यवसाय से ग्रामीण परिवारों को नियमित आय उपलब्ध कराने के लिए भी विभिन्न योजनाएं संचालित की जाती हैं।

लेकिन पशुपालकों का कहना है कि जब बुनियादी पशु चिकित्सा सुविधा ही समय पर उपलब्ध नहीं होगी तो उन्नत पशुपालन और डेयरी व्यवसाय को बढ़ावा देने की योजनाएं धरातल पर कैसे सफल होंगी। पशुपालकों का कहना है कि पशुओं की बीमारी और इलाज के बढ़ते खर्च के कारण कई लोग पशुपालन से पीछे हटने लगे हैं। कुछ पशुपालक अपने मवेशियों को दूसरों को दान करने या मजबूरी में खुले में छोड़ने तक के लिए विवश हो रहे हैं। इससे आवारा मवेशियों की समस्या भी बढ़ सकती है और सड़क दुर्घटनाओं सहित अन्य समस्याएं पैदा होने की आशंका बनी रहती है। पशुपालकों ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पदस्थ पशु चिकित्सा सहायकों एवं अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच कराने की मांग की है। साथ ही यह भी जांच की मांग की जा रही है कि जिन कर्मचारियों को मुख्यालय में रहने के नाम पर मकान किराया दिया जा रहा है, वे वास्तव में संबंधित मुख्यालय में निवास कर रहे हैं या नहीं। पशुपालकों ने फील्ड में सरकारी जिम्मेदारी निभाने वाले कर्मचारियों द्वारा कथित तौर पर निजी स्तर पर उपचार किए जाने और इसके एवज में राशि लिए जाने की शिकायतों की भी जांच की मांग की है। उनका कहना है कि यदि सरकारी व्यवस्था में उपचार और दवाइयां उपलब्ध हैं तो पशुपालकों को निजी खर्च करने की नौबत नहीं आनी चाहिए।

पशुपालकों का कहना है कि विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों को शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पशु चिकित्सा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति की जांच करनी चाहिए। साथ ही पशु औषधालयों में कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति, दवाइयों की उपलब्धता, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और पशुओं की मौत से जुड़े मामलों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। जिले के पशुपालकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि कहीं लापरवाही, अनियमितता अथवा सरकारी सुविधा का दुरुपयोग पाया जाता है तो संबंधित जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए। पशुपालकों का कहना है कि समय पर उपचार और विभागीय सहयोग मिलने से न केवल मवेशियों की जान बचाई जा सकती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरी एवं पशुपालन व्यवसाय को भी दोबारा मजबूती दी जा सकती है।

शिवनाथ श्रावणी स्नान में नेपाल त्रासदी के मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि

राजनांदगांव (दावा)। श्रावणी पर्व के पावन अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ द्वारा शिवनाथ नदी में वैदिक दस स्नान व नदी तट पर धार्मिक अनुष्ठान सहित गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। शहर की जीवनदायिनी नदी शिवनाथ के पवित्र जल में गायत्री परिजनों द्वारा किए गए पवित्र दस स्नान के दौरान अपने स्वर्गीय सगे-संबंधियों सहित ज्ञात-अज्ञात पूर्वजों का श्राद्ध तर्पण किया गया, वहीं वैदिक मंत्रो द्वारा एक स्वरो में शांति पाठ करते हुए नेपाल त्रासदी के मृतको के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की गई और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। गायत्री शक्तिपीठ के मुख्य प्रबंध ट्रस्टी सूर्यकांत चितलांग्या एवं व्यवस्थापक ओम प्रकाश के कुशल संयोजन में तथा पुरोहित नृपाराम एवं सुखनंदन के सानिध्य यह समस्त अनुष्ठान संपन्न कराया गया। इस अवसर पर उपस्थित गायत्री परिजनों, साधकों एवं श्रद्धालुओं ने विश्व कल्याण, पर्यावरण शुद्धि एवं लोक मंगल की भावना के साथ गायत्री महामंत्र व महामृत्युंजय मंत्र से हवन-यज्ञ में विशेष आहुतियां समर्पित की गई तत्पश्चात जड़ - चेतन सभी तत्वों के प्रति सर्वारिष्ठ सु-शांतिर्भवतु का शांति पाठ कर श्रावणी पर्व का समापन किया गया।

लखोली के बुथ अध्यक्षों पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं ने सुनी मोदी के मन की बात

राजनांदगांव (दावा)। माह के अंतिम रविवार को लखोली के बूथ अध्यक्षों, पार्षदों व कार्यकर्ताओ ने सामूहिक रूप से मोदी जी के 'मन की बात' सुनी। जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत के आदेशानुसार शहर भाजपा दक्षिण मंडल अध्यक्ष प्रशांत गुप्ता महामंत्री अशोकादित्य श्रीवास्तव एवं बलवंत साव के मार्गदर्शन में लखोली वार्ड में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के बहुचर्चित एवं लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 137 वें एपिसोड सुनने लखोली वार्ड के भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा। रविवार की सुबह साढ़े 11 बजे प्रारंभ हुए प्रधानमंत्री मोदी जी के इस सर्वाधिक लोक प्रिय कार्यक्रम मन की बात में श्री मोदी जी ने राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत बनाने के लिए युवाओं को नशामुक्त भारत बनाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या केवल एक व्यक्ति को प्रभावित नहीं करती,बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करती है। इसके लिए समाज के हर वर्ग के लोगों को नशामुक्ति के लिए अपनी प्रभावी भूमिका निभानी होगी।

प्रभात मिश्रा व शशिकांत द्विवेदी को राज्य मंत्री का दर्जा मिलने से कवि/ साहित्यकारों में हर्ष

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा व छत्तीसगढ़ साहित्य सृजन समिति के संरक्षक, वरिष्ठ कवि एवं मार्कफेड अध्यक्ष शशिकांत द्विवेदी को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्यमंत्री का दर्जा मिलने से कवि साहित्यकारों में हर्ष का माहौल है। छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के जिला समन्वयक आत्माराम कोशा 'अमात्य' ने बताया कि दोनों महानुभावों को शासन द्वारा राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त होने पर साहित्य समिति के अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा अकाट्य, सचिव -मानसिंह मौलिक, उपाध्यक्ष सुषमा शुक्ला अंशुमन, पप्पू पौर्वात्य कलिहारी, राकेश इंदुभूषण ठाकुर, संरक्षक श्रीमती शारदा तिवारी, अशोक चौधरी, पद्मलोचन शर्मा मुंहफट, कवियत्री करिश्मा श्रीवास्तव, पवन यादव पहुना, आनंदराम सार्वा अनंत, चुरामन साहू चैतन्य आदि सहित डॉ. अशोक आकाश, रौशन साहू (मोखला) अन्य कवि साहित्यकारों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

पेण्ड्री में भोजली उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक परम्परा को आगे बढ़ाते हुए रक्षा बंधन त्यौहार पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी वार्ड क्र. 20 पेण्ड्री में बैगा लक्ष्मण सलाम की अगुआई में महिलाएं एवं बच्चे भोजली उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया। महिलाएं बच्चे कलश भोजली, सर में कोटनी लेकर राजेश्वरी साहू, नीता, नेहा, शालू नेताम, गुंजल, भाग्य लक्ष्मी, प्रेमलता वैष्णव, रमसीला वैष्णवी, रोशनी, काव्या यादव, मानसी, माही, रैना, तेजस्वी साहू, युक्ति, चैतन्या, नीलू नेताम, मधु, रीना निर्मलकर आदि बड़ी संख्या में भोजली कलश लेकर, कतार बध्द सुशोभित ढंग से छत्तीसगढ़ की परम्परा को बाजा गाजा एवं श्री दाई के दुलरवा नवरत्न झांकी धर्मेन्द्र वैष्णव एवं समस्त सदस्यों के द्वारा झांकी प्रस्तुत आकर्षण का केन्द्र बना रहा। आबादीपारा से भोजली उत्सव निकालकर, गली भ्रमण करते चल रहे थे। वार्डवासियों की महिलाओं द्वारा आरती पूजन करते हुए शीतला मंदिर में पूजा अर्चना कर तालाब में भोजली विसर्जित किये। कार्यक्रम में वार्ड विकास समिति के मेघदास वैष्णव, रेवाराम साहू, बेलस ठाकुर, ईसाक खान, परस लहरे, शिव कुमार साहू, नंदकुमार नेताम, दयालु खरे, लोमन साहू, मोहन खरे, परसादी साहू, उमेन्द्र नेताम, रामरतन यादव एवं वार्डवासीगण, महिलाएं बच्चे बड़ी संख्या में शामिल थे।

वार्ड विकास के संरक्षक मेघदास वैष्णव ने वार्डवासियों के सहयोग की बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए एकता और भाईचारा सद्भावना के साथ छत्तीसगढ़ की संस्कृति को बागे बढ़ाने की अपील की है।

शारदीय नवरात्र में होगा तीन दिवसीय कामधेनु महायज्ञ एवं गौ कथा का आयोजन

गौ संरक्षण, संवर्धन एवं गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने के संकल्प के साथ जुटेंगे श्रद्धालु

राजनांदगांव (दावा)। शक्ति धाम अघोर शोध एवं जनकल्याण आश्रम, बापूटोला, राजनांदगांव एवं गुरुदेव श्री हरीश यादव के द्वारा आगामी शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर तीन दिवसीय 'कामधेनु महायज्ञ एवं गौ कथा' का आयोजन किया जाएगा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य सनातन संस्कृति में गौ माता के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना, गौ संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति समाज में जागरूकता पैदा करना तथा गौ माता को राष्ट्र माता घोषित किए जाने के जनभावना आधारित संकल्प को मजबूत करना है। तीन दिवसीय आयोजन में कामधेनु महायज्ञ, गौ कथा, गौ पूजन, धार्मिक एवं आध्यात्मिक प्रवचन सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संत-महात्माओं, धर्माचार्यों, गौसेवकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं की सहभागिता रहेगी।

भारतीय परंपरा में गौ को केवल एक पशु के रूप में नहीं, बल्कि माता, पालन-पोषण और सेवा की भावना के प्रतीक के रूप में सम्मान दिया गया है। हमारे धार्मिक ग्रंथों एवं लोकपरंपराओं में गौ सेवा को पुण्य और सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम माना गया है। कृषि एवं ग्रामीण जीवन में भी गौवंश की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। गौ संरक्षण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि कृषि, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जैविक खेती, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी से भी जुड़ा विषय है। इसलिए गौवंश के संरक्षण के साथ उनके स्वास्थ्य, पोषण, संवर्धन और सम्मान की दिशा में ठोस प्रयास करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस महायज्ञ एवं गौ कथा के माध्यम से समाज के समक्ष निम्न संकल्प रखे जाएंगे गौ माता के प्रति सम्मान एवं सेवा की भावना को बढ़ावा देना। गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जनजागरूकता फैलाना। निराश्रित एवं असहाय गौवंश की सेवा के लिए समाज को प्रेरित करना। प्राकृतिक एवं जैविक कृषि में गौ आधारित संसाधनों के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना। नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति एवं गौसेवा की परंपरा से जोड़ना। गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग/जनभावना के प्रति शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक जनजागरूकता को आगे बढ़ाना।

लालबाग पुलिस ने होटल, ढाबा संचालकों की ली बैठक

कानून-व्यवस्था, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस ने दी सख्त हिदायत

राजनांदगांव (दावा)। लालबाग थाना पुलिस ने थाना प्रभारी रमेश पटेल के नेतृत्व में अपने थाना क्षेत्र के तमाम ढाबा संचालको व चखना सेंटर चलाने वालो को बुलाया थाने बैठक में और उन्हें उनके संस्थानों में शराब सेवन कराने तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर उन्हें कठोर व कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने उक्त प्रतिष्ठानों में अवैध गतिविधियों एवं असामाजिक तत्वों के जमावड़े पर भी रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।

बैठक का उद्देश्य होटल, ढाबा एवं चखना सेंटरों में अवैध शराब बिक्री/सेवन कराने पर रोक, कानून-व्यवस्था बनाए रखना, असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी रोकथाम, यातायात व्यवस्था सुचारू रखना तथा आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा। थाना लालबाग पुलिस द्वारा संचालकों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि उनके प्रतिष्ठानों में किसी भी प्रकार की अवैध शराब, मादक पदार्थ, जुआ-सट्टा, मारपीट अथवा अन्य असामाजिक गतिविधियों को किसी भी स्थिति में स्थान या संरक्षण नहीं दिया जाए। किसी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन अथवा गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित किया जाए। संचालकों को अपने प्रतिष्ठानों के प्रवेश एवं निकास सहित महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में रखने तथा उनकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर पुलिस को जांच में सहयोग मिल सके।

इसके साथ ही होटल, ढाबा एवं चखना सेंटरों में कार्यरत सभी कर्मचारियों का पहचान एवं नियमानुसार पुलिस सत्यापन कराने तथा उनका आवश्यक रिकॉर्ड सुरक्षित रखने की हिदायत दी गई। पुलिस द्वारा विशेष रूप से पार्किंग व्यवस्था को लेकर निर्देशित किया गया कि होटल एवं ढाबों में आने वाले वाहनों को सड़क अथवा हाईवे पर अव्यवस्थित रूप से खड़ा न कराया जाए। प्रतिष्ठान के सामने टेबल-कुर्सी, सामान अथवा अन्य सामग्री रखकर यातायात बाधित न किया जाए। बैठक में संचालकों को यह भी निर्देशित किया गया कि किसी ग्राहक अथवा अन्य व्यक्ति के साथ विवाद की स्थिति में स्वयं कानून हाथ में न लें, बल्कि तत्काल पुलिस को सूचना दें। इसी प्रकार किसी व्यक्ति द्वारा अवैध हथियार, मादक पदार्थ अथवा अन्य प्रतिबंधित वस्तु के संबंध में संदिग्ध गतिविधि किए जाने पर पुलिस को तत्काल जानकारी दें। प्रतिष्ठानों में अग्निशमन यंत्र, गैस सिलेंडर एवं विद्युत उपकरणों की सुरक्षित व्यवस्था तथा आपातकालीन सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

पुलिस ने संचालकों को स्पष्ट किया कि होटल, ढाबा एवं चखना सेंटर व्यवसायिक गतिविधियों के साथ-साथ कानून-व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था से भी सीधे जुड़े हुए हैं। अतः सभी संचालक पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय रखते हुए अपने प्रतिष्ठानों में शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखें। थाना लालबाग पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया कि किसी भी प्रकार की अवैध अथवा असामाजिक गतिविधि में संलिप्तता अथवा संरक्षण पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति/प्रतिष्ठान के विरुद्ध प्रचलित कानून के तहत कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उपस्थित होटल, ढाबा एवं चखना सेंटर संचालकों को सभी निर्देशों का पालन करने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने हेतु निर्देशित किया गया।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री का संदेश महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी : महापौर मधुसूदन यादव

सकारात्मक बदलाव लाने वाले लोगों और उनके सराहनीय प्रयासों की जानकारी देता है 'मन की बात'

राजनांदगांव (दावा)। महापौर मधुसूदन यादव ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का लाईव एपिसोड मोतीपुर स्थित अपने निज निवास पर देखा एवं सुना। महापौर के साथ उनके परिजन एवं वार्डवासियों ने भी इस एपिसोड का सीधा प्रसारण देखा, जिनमें प्रमुख रूप से रिभय यादव, पार्षद मनोहर यादव, राजेन्द्र (बंटू) जैन, अरूणादित्य श्रीवास्तव, रघु शर्मा, अनिल हरिहारनो, ज्ञानदास मानिकपुरी, एस.डी. बघेल, कु. रूपाली बघेल एवं अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात् महापौर ने प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि यह संवाद देशवासियों को जोड़ने के साथ-साथ समाज और राष्ट्रहित में बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। महापौर ने कार्यक्रम में उठाए गए प्रमुख विषयों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के अलग-अलग हिस्सों में सकारात्मक बदलाव लाने वाले लोगों और उनके सराहनीय प्रयासों की चर्चा की।

उन्होंने कहा कि आज के एपिसोड में मुख्यतः नशा मुक्ति अभियान चलाकर नशामुक्त देश बनाने एवं युवाओं से इसमें सहभागिता निभाने की अपील की गई। पीएम मोदी ने युवा रचनाकारों को अपनी रचनाओं के माध्यम से देश में सकारात्मक बदलाव लाने के लिये प्रोत्साहित किया, स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में वोकल फॉर लोकल के संकल्प को मजबूत करने की बात दोहरायी। इसके अलावा रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत, सूर्यपथ तिरंगा एवं हर घर तिरंगा, विश्व योगासन चैम्पियनशिप में भारत की उपलब्धि, पीएम स्वनिधि योजना से महिला सशक्तिकरण के संबंध में अहम तथ्यों एवं उपलब्धियों से अवगत कराया गया। महापौर ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के संदेश को देशवासियों के लिये महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी बताया।

पहला कॉलम...

राष्ट्रीय सेवा योजना अभिमुखीकरण एवं नशा मुक्ति अभियान कार्यशाला संपन्न

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय कमलादेवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) अभिमुखीकरण एवं नशा मुक्ति अभियान कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में छात्राओं को एनएसएस की गतिविधियों, समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के साथ नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पूजा-अर्चना के साथ हुआ। मुख्य वक्ता शिवनाथ महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. एसआर कन्नौजे, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजली अवधिया, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रामकुमारी धुर्वा तथा नशा मुक्ति अभियान प्रचारक एवं राज्यपाल शिक्षक सम्मान से सम्मानित प्रधान पाठक तुलेश्वर कुमार सेन उपस्थित रहे। इस दौरान रामकुमारी धुर्वा ने प्रेरणादायी गीत भी प्रस्तुत किया। प्राचार्य डॉ. अंजली अवधिया ने छात्राओं को एनएसएस की जिम्मेदारियों से अवगत कराते हुए कहा कि यह केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि सेवा और राष्ट्र निर्माण से जुड़ने का माध्यम है। पढ़ाई और डिग्री के साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने में एनएसएस महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सीनियर छात्राओं दिव्या शर्मा और प्रज्ञा बाम्बेश्वर ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि एनएसएस से जुड़ने के बाद उनके व्यक्तित्व में निखार आया और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई।

मुख्य वक्ता डॉ. एसआर कन्नौजे ने राष्ट्रीय सेवा योजना की नियमित एवं शिविर गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने एनएसएस के ए, बी और सी प्रमाण-पत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को मिलने वाले लाभ और विभिन्न क्षेत्रों में मिलने वाले बोनस अंकों के बारे में भी जानकारी दी। नशा मुक्ति अभियान प्रचारक तुलेश्वर कुमार सेन ने नशे के कारणों और इसके व्यक्ति, परिवार तथा समाज पर पढ़ने वाले दुष्प्रभावों के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने गीतों, कविताओं और आंकड़ों के माध्यम से नशा मुक्ति अभियान की गतिविधियों से छात्राओं को अवगत कराया। इस दौरान नशा मुक्ति प्रदर्शनी का अवलोकन भी कराया गया और छात्राओं को स्वयं नशे से दूर रहने तथा परिवार व समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में नशा मुक्ति अभियान के प्रशिक्षण, फ्लेक्स प्रदर्शनी, वीडियो फिल्म, उद्बोधन और रैली जैसी गतिविधियों की जानकारी भी दी गई। अभिमुखीकरण कार्यक्रम में सीनियर छात्राओं ने नवप्रवेशी छात्राओं का स्वागत किया और इच्छुक छात्राओं का एनएसएस के लिए पंजीयन किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रामकुमारी धुर्वा ने किया।

जिला भाजपा कार्यालय में संगठन महामंत्री पवन साय व सांसद संतोष पांडे ने कार्यकर्ताओं संग सुना मन की बात

खैरागढ़ (दावा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 137 वी कड़ी का सीधा प्रसारण 30 अगस्त को जिला भाजपा कार्यालय में उत्साहपूर्वक सुना गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडे विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन को गहराई से सुना। मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न हिस्सों से आई प्रेरक कहानियों, जनभागीदारी के सफल प्रयासों और सामाजिक पहलों को साझा करते हुए देशवासियों को नई प्रेरणा दी। इस अवसर पर पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिनमें मुख्य रूप से जिला भाजपा प्रभारी नलीनीश ठोकने, विधानसभा प्रभारी संदीप शर्मा, नगर पालिका चुनाव प्रभारी व पूर्व संसदीय सचिव लाभचंद बाफना, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. बिशेसर साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रियंका ताम्रकार, पूर्व विधायक कोमल जंघेल, जिला उपाध्यक्ष टि.के. चंदेल, प्रदेश कार्य समिति सदस्य घम्मन साहू, जिला महामंत्री गण नवनीत जैन, शशांक ताम्रकार, जैनेन्द्र जंघेल, आनंद सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि खम्हन ताम्रकार, नगर पालिका अध्यक्ष गिरजा चंद्राकर, पुष्पा वर्मा, जिला भाजयुमो अध्यक्ष आयश सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष खैरागढ़ डॉ. राजेश्री त्रिपाठी, राजू जंघेल, राकेश ठाकुर, पार्षद गण विनय देवांगन, कीर्ति वर्मा, मंडल अध्यक्ष गण गोरेलाल वर्मा, दिनेश वर्मा, भावेश कोचर, जीवन दास रात्रे, जिला पंचायत सदस्य अरुणा बनाफर, कृष्णा वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता विकेश गुप्ता, उपाध्यक्ष नगर पंचायत गंडई श्यामपाल ताम्रकार, विनय चोपड़ा, अवध वर्मा, मुकेश वर्मा, सहित जिले के प्रमुख भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

राधा मंडली में उल्लासपूर्ण माहौल में मना सावन महोत्सव

राजनांदगांव (दावा)। शहर के वार्ड क्रमांक-7 स्थित श्रीराम कॉलोनी में राधा मंडली महिला समूह द्वारा सावन महोत्सव अत्यंत उत्साह, श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। महिला समूह अध्यक्ष पार्वती चौहान के नेतृत्व में आयोजित इस उत्सव में कॉलोनी एवं आसपास के क्षेत्र की महिलाओं तथा बच्चों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। महोत्सव के दौरान सावन के पारंपरिक लोकगीत, मल्हार और सामूहिक भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। जिससे संपूर्ण परिसर भक्तिमय और उत्सव के रंग में सराबोर हो गया। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर झूला झूलने का आनंद लिया और एक-दूसरे को सावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पार्वती चौहान ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, सौहार्द और महिला सशक्तिकरण को मजबूत करते हैं।

उन्होंने राधा मंडली की समस्त सदस्य महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखने के लिए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के समापन पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। कॉलोनीवासियों ने इस सुरुचिपूर्ण आयोजन की भूरि-भूरि सराहना की।

रायपुर के 30 स्पा सेंटरों पर एक साथ पुलिस का छापा, 100 से ज्यादा जवानों ने खंगाले रिकॉर्ड, मचा हड़कंप

रायपुर। राजधानी में संचालित स्पा सेंटरों में नियमों के पालन और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने शनिवार को बड़े स्तर पर जांच अभियान चलाया। पुलिस ने शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में संचालित 30 स्पा सेंटरों में एक साथ जांच की। इसके लिए पुलिस की 15 टीमों का गठन किया गया था, जिसमें राजपत्रित अधिकारियों समेत 100 से अधिक पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे। पुलिस उपायुक्त वेस्ट जोन रॉबिन्सन गुरिया, सेंट्रल जोन के डीसीपी तारकेश्वर पटेल और नॉर्थ जोन की डीसीपी दीपमाला कश्यप के निर्देशन में तीनों जोन में कार्रवाई की गई। सहायक पुलिस आयुक्त स्नेहिल साहू, नंदिनी ठाकुर और पूर्णिमा लामा के नेतृत्व में गठित टीमों ने अलग-अलग स्पा सेंटरों की जांच की। 15 टीमों में शामिल पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने सेंटरों में पहुंचकर संचालकों और कर्मचारियों से पूछताछ की। इसके साथ ही आवश्यक दस्तावेजों और रिकॉर्ड का सत्यापन किया गया।

ग्राहकों के रजिस्टर और सीसीटीवी रिकॉर्ड खंगाले

जांच के दौरान पुलिस ने स्पा सेंटरों में रखे ग्राहकों के रजिस्टर, स्टाफ रजिस्टर और कर्मचारियों से संबंधित दस्तावेजों की जांच की। सेंटर में लगे सीसीटीवी कैमरों की उपलब्धता, उनकी रिकॉर्डिंग क्षमता और फुटेज सुरक्षित रखने की व्यवस्था भी देखी गई। इसके अलावा संचालक, मैनेजर और कर्मचारियों के पुलिस वेरिफिकेशन की स्थिति की जांच की गई। कर्मचारियों की आयु से संबंधित दस्तावेज भी देखे गए। पुलिस ने यह भी जांचा कि सेंटर में काम करने वाले कर्मचारियों का पूरा रिकार्ड संचालकों के पास उपलब्ध है या नहीं। पुलिस टीमों ने स्पा सेंटरों के लीज, किराया और स्वामित्व से संबंधित दस्तावेजों की भी जांच की। सेंटर संचालन के लिए आवश्यक अनुमतियां और अन्य जरूरी अभिलेख भी देखे गए। पुलिस ने परिसर की व्यवस्था और वहां संचालित गतिविधियों का भी जायजा लिया।

खपरीकला में हुई जिला कोसरिया यादव महासभा की मासिक बैठक, समाजहित में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

युवाओं को शिक्षा, रोजगार व तकनीक में आगे लाने का संकल्प, नशामुक्त समाज निर्माण पर दिया जोर

राजनांदगांव (दावा)। जिला कोसरिया यादव महासभा की महत्वपूर्ण मासिक बैठक ग्राम खपरीकला में संपन्न हुई। बैठक में जिले के सभी सर्किल पदाधिकारी, पंचगहिया प्रमुख एवं बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। बैठक के दौरान समाज के उत्थान, संगठनात्मक मजबूती, शिक्षा के प्रसार और नशामुक्ति जैसे विभिन्न गंभीर विषयों पर विचार-विमर्श कर अहम निर्णय लिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए पेटेश्री सर्किल के अध्यक्ष सुरेश यादव ने सामाजिक एकजुटता और संगठन को धरातल पर मजबूत करने का आह्वान किया। वहीं युवा संरक्षक हरीश यादव ने कहा कि आज के दौर में हमारे युवाओं को शिक्षा, रोजगार, खेलकूद, आधुनिक तकनीक और सामाजिक नेतृत्व के क्षेत्र में आगे लाने की महती आवश्यकता है। समाज को प्रतिभाशाली विद्यार्थियों और युवाओं को उचित मार्गदर्शन व हरसंभव सहयोग प्रदान करना चाहिए। उन्होंने संकल्प दोहराया कि समाज का कोई भी बच्चा आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके साथ ही मातृशक्ति और बेटियों की उच्च शिक्षा, सम्मान व सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

बैठक में समाज प्रमुखों ने जोर देकर कहा कि आने वाली पीढ़ी को कुरीतियों से बचाने के लिए समाज को नशामुक्त, शिक्षित और संस्कारवान बनाना अनिवार्य है। बच्चों को उच्च शिक्षा के साथ-साथ नैतिक संस्कार देना ही समाज की सबसे बड़ी ताकत है। इसके लिए निरंतर जागरूकता अभियान चलाने पर सहमति बनी। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिला कोसरिया यादव महासभा की अगली मासिक बैठक ग्राम बम्हनी चारभाठा में आयोजित की जाएगी।

इस अवसर पर जिला महामंत्री महेश यादव, कोषाध्यक्ष शीलू राम यादव, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष विनीता यादव, जिला उपाध्यक्ष मदन यादव, जिला मीडिया प्रभारी दुर्गा यादव सहित समाज के प्रमुख पदाधिकारी, युवा प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

'मेरा जो है वह मेरे पास ही रहेगा, जिसे मुझसे कोई छीन नहीं सकता' : मुनि श्री समयप्रभ जी

राजनांदगांव (दावा)। खरतरगच्छाधिपति मणिप्रभ सागर जी महाराज के सुशिष्य मुनि श्री समयप्रभ सागर जी ने कहा कि जो वास्तव में मेरा है, वह सदैव मेरे ही पास रहेगा। उसे मुझसे कोई छीन नहीं सकता। मैं एक शाश्वत आत्मा हूँ और यह शरीर केवल माध्यम है। शरीर मेरा साधन हो सकता है, लेकिन मैं शरीर का नहीं हूँ।

मीडिया प्रभारी विमल हाजरा ने बताया कि ज्ञान वल्लभ उपाश्रय भवन में चल रही चातुर्मासिक प्रवचन श्रृंखला के तहत धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री ने सांसारिक मोह-माया और देहाध्यास पर गहरा प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीवन के सफर में हम भौतिक मकान बना लेते हैं और उसे 'मेरा मकान' कहने लगते हैं। जबकि सच यह है कि एक न एक दिन हर किसी को इस मकान को छोड़ना ही पड़ता है। जब यह स्थायी नहीं है, तो फिर यह मेरा कैसे हुआ? यदि सच्चा निर्माण करना ही है, तो ऐसा आत्मिक मकान बनाओ जहाँ से तुम्हें कोई कभी बेदखल न कर सके।

शाश्वत सुख और आत्म-कल्याण की ओर बढ़ें

> जिस शरीर का जीवनभर जतन करते हैं, अंत में उसी की होती है सबसे ज्यादा दुर्गति, मकान बनाना है तो ऐसा बनाओ जहां से कोई निकाल न सके, आत्मा के स्वरूप को पहचानें

मुनि श्री ने कहा कि मनुष्य सांसारिक सुख-साधनों और परिजनों के स्वास्थ्य की कामना तो करता है, किंतु वास्तविक और शाश्वत सुख की खोज नहीं करता। उन्होंने कहा कि जिस देह को पाल-पोसकर व्यक्ति बड़ा करता है और जिसका जीवनभर अत्यधिक जतन करता है, अंत समय में सबसे ज्यादा दुर्गति भी उसी शरीर की होती है। बच्चों के लालन-पालन पर बोलते हुए मुनि श्री ने कहा कि हम अक्सर बच्चों को नासमझ कह देते हैं, जबकि असल सवाल यह है कि क्या हमने उन्हें सही संस्कार और समझ देने का प्रयास किया? हमने उन्हें केवल सांसारिक रिश्ते-नाते सिखाए, किंतु आत्मा के उस मूल और वास्तविक रिश्ते से कभी अवगत नहीं कराया। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे अपने आत्म-स्वरूप को पहचानें, सांसारिक बंधनों से ऊपर उठें और मोक्ष के मार्ग पर अग्रसर हों।

गठुला के लाल डॉ. हेमंत साहू ने बढ़ाया मान : मेडिकल कॉलेज में सीएमओ के रूप में दे रहे सेवाएं

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी से महज चार किलोमीटर दूर खैरागढ़ मार्ग पर स्थित ग्राम गठुला के एक साधारण परिवार ने वर्षों पहले चिकित्सा सेवा का जो सपना देखा था, वह आज त्याग, समर्पण और अटूट विश्वास की बदौलत हकीकत का रूप ले चुका है। गांव के होनहार युवा डॉ. हेमंत कुमार साहू ने कठिन संघर्षों को पार कर न केवल अपने परिवार की उम्मीदों को पंख दिए, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम भी रोशन किया है। ग्राम गठुला निवासी डॉ. हेमंत साहू के लिए यह मुकाम हासिल करना आसान नहीं था। उनके इस सफर में परिवार का मार्गदर्शन और सहयोग सबसे बड़ी ताकत बना। पिता घनश्याम दास साहू (वरिष्ठ अधिवक्ता) का कड़ा अनुशासन और माता श्रीमती गंगा साहू के वात्सल्य ने उन्हें लक्ष्य के प्रति अडिग रखा। वहीं, बड़े भाई यतीश कुमार साहू एवं भाभी वैशाली साहू ने हर मोड़ पर उनका मार्गदर्शन करते हुए हौसले की ढाल बनकर सहयोग किया। परिजनों के अनुसार, बचपन से ही हेमंत के मन में मानव सेवा और पीड़ित मानवता की मदद का गहरा भाव था, जिसने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। वर्तमान में डॉ. हेमंत कुमार साहू शासकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल, राजनांदगांव में कैजुअल्टी मेडिकल ऑफिसर (सीएमओ) के पद पर निष्ठापूर्वक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आपातकालीन सेवाओं में सक्रिय भूमिका निभाने के साथ-साथ वे बजरंगपुर नवागांव में भी नियमित रूप से ओपीडी संभाल रहे हैं, ताकि आसपास के ग्रामीण व जरूरतमंद मरीजों को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परामर्श मिल सके। डॉ. हेमंत की इस उपलब्धि और सेवा-भावना से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

राजपूत महासभा महिला इकाई द्वारा मां बमलेश्वरी धाम में सावन एवं झूला उत्सव हर्षोल्लास से संपन्न

श्रीमती विभा सिंह को सावन सुंदरी चुना गया

डोंगरगढ़ (दावा)। छत्तीसगढ़ राजपूत महासभा महिला इकाई द्वारा सावन एवं झूला उत्सव का आयोजन मां बमलेश्वरी धाम में हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती राधा सिंह ने की। मंदिर की व्यवस्था श्रीमती अचला सिंह ने संभाली एवं माईक संचालन श्रीमती शीला सिंह गहरवार ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत हल्दी कुमकुम लगाकर सुहाग सामग्री भेंट से हुई। जिसका वितरण श्रीमती लीना सिंह, सुलभा राठौर एवं सपना गहरवार द्वारा किया गया। इसके पश्चात सभी बहनों के लिए नाश्ते की व्यवस्था श्रीमती प्राची सिंह, रूबी सिंह, स्वाति सिंह एवं प्रतिभा कलचुरी सुलभा सिंह द्वारा की गई। तत्पश्चात कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें श्रीमती सुचित्रा कलचुरी विजेता रहीं।

अंत में सावन सुंदरी का चयन किया गया। जिसमें श्रीमती विभा सिंह को सावन सुंदरी चुना गया। हम सबके आर्शीवादक, रमाकांत गहरवार, एच.पी. सिंह, योद्धा सर एवं डॉ. आलोक कलचुरी उपस्थित पहुंचे।

इस अवसर पर पद्मिनी सिंह, पुष्पा सिंह, प्रभा परिहार जी, अंजू सिंह, नीलिमा सिंह, चांदनी सिंह, संध्या सिंह, नेहा गहरवार, रूपाली सिंह, नेहा सिंह, रोहिणी राठौर, तुलसी सिंह, पूजा सिंह, प्रमिला सिंह सहित समस्त क्षत्राणी बहनें। बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर उत्साह वर्धन किया। बेटियां लोग भी एंज्वाय किए, आकांक्षा सिंह, सिंह, आराधना सिंह, आराध्या गहरवार, कनक कल्चुरी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक गण उपस्थित रहे।

अनमोल 'दावा'

"शांत रहकर परिस्थितियों को समझना सीखो, क्योंकि हर कोई आपके जवाब के लायक नहीं होता."

रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भूमिका बढ़ाएं

DRDO (डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइज़ेशन) की मुख्य आलोचनाओं में से एक यह है कि इसके प्रोजेक्ट्स में बहुत ज़्यादा देरी होती है, यहाँ तक कि जब वे आर्म्ड फोर्सेज़ को सौंपने के लिए तैयार होते हैं, तब तक वे बेकार हो चुके होते हैं। कई बार डिफेंस फोर्सेज़ ने देरी का मुद्दा उठाया है और अपनी ज़रूरी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें इंपोर्ट का सहारा लेना पड़ा है। डेडलाइन पूरी न कर पाना डिफेंस क्ष्स् की एक बड़ी समस्या रही है, और कई प्रोजेक्ट्स दशकों से अधर में लटके हुए हैं। इस माहौल में, यह अच्छी बात है कि केंद्र सरकार ने अब छ्क्रष्ठ्ह द्वारा विकसित टेक्नोलॉजीज़ को योग्य घरेलू इंडस्ट्रीज़ को ट्रांसफर करने का फ़ैसला किया है। यह पारंपरिक मिसाइल सिस्टम के स्वदेशी प्रोडक्शन की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसका मकसद एडवांस्ड हथियार विकसित करने और उन्हें एंड-यूज़र यानी डिफेंस फोर्सेज़ की ज़रूरत के हिसाब से बड़े पैमाने पर बनाने के बीच के अंतर को कम करना है। उम्मीद है कि इस कदम से देश एक मज़बूत और ज़्यादा आत्मनिर्भर डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग बेस बनाने की राह पर आगे बढ़ेगा। फ़िलहाल, टेक्नोलॉजीज़ को आइडिया के स्टेज से लेकर इस्तेमाल के स्टेज तक लाने के मामले में भारत चीन और अमेरिका जैसे देशों से काफ़ी पीछे है। आगे बढ़ने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि डिफेंस प्रोडक्शन में ज़्यादा प्राइवेट सेक्टर कंपनियों को शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, खासकर मीडियम और हाई-टेक सेगमेंट में, ताकि इस सेक्टर में स्वदेशीकरण को बढ़ावा मिल सके। हालिया आदेश में, रक्षा मंत्रालय ने यह साफ़ नहीं किया है कि किन मिसाइल सिस्टम्स को प्राइवेट प्रोडक्शन के लिए खोला जाएगा, हालाँकि रिपोर्ट्स से संकेत मिलता है कि आकाश, अस्त्र और नाग को इससे फ़ायदा हो सकता है।

हालाँकि, बड़ा मकसद साफ़ है: DRDO द्वारा विकसित टेक्नोलॉजीज़ को लैबोरेटरी और टेस्टिंग रेंज से उन फ़ैक्टरियों तक कुशलतापूर्वक पहुँचाया जाना चाहिए जो बड़ी संख्या में भरोसेमंद सिस्टम बना सकें। ऐतिहासिक रूप से, भारत का स्वदेशीकरण अभियान इस वादे को पूरा करने के लिए काफ़ी हद तक DRDO और डिफेंस क्ष्स् पर निर्भर रहा है। पिछले कुछ सालों में, DRDO का बजट डिफेंस बजट का लगभग 6त्न रहा है, जो रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए शायद ही काफ़ी हो। आर्म्ड फोर्सेज़ ने अक्सर प्रोडक्ट की क्वालिटी का मुद्दा उठाया है। DRDO की समस्याओं में अहम क्षेत्रों में कर्मचारियों की कमी से लेकर आर्म्ड फोर्सेज़ के साथ सही तालमेल की कमी तक शामिल है। ग्लोबल डिफेंस R&D संगठनों से मुकाबला करने के लिए, DRDO को बहुत बड़े बजट, ट्रेंड कर्मचारियों और अपने कामकाज में ज़्यादा आज़ादी की ज़रूरत है। मैनपावर की भर्ती और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के मामले में मौजूदा संस्थागत सीमाओं को देखते हुए, भारत जैसे देश के लिए रक्षा बजट का आवंटन कम पड़ना तय है। संसाधनों को बढ़ाने के लिए नए तरीके खोजने होंगे। हाई-टेक प्लेटफ़ॉर्म, उपकरण और यहां तक कि गोला-बारूद का आयात यह दिखाता है कि महत्वपूर्ण रक्षा टेक्नोलॉजी में आत्मनिर्भर बनने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। प्राइवेट सेक्टर अभी भी सशस्त्र बलों की ज़रूरतों को पूरा करने की स्थिति में नहीं है, जिसका मुख्य कारण यह है कि उसे जानबूझकर रक्षा उत्पादन से दूर रखा गया है।

मीठा जहर भी है सोशल मीडिया

मनोज कुमार अग्रवाल

सोशल मीडिया पर अजनबी लोगों से दोस्ती करने के बाद कई बार लड़कियां ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग और साइबर अपराध का शिकार हो जाती हैं। लोग झूठी पहचान बनाकर भरोसा जीतते हैं और बाद में निजी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हैं। इससे मानसिक तनाव और सामाजिक नुकसान होता है। धोखेबाज असली नाम या तस्वीर छिपाकर गलत पहचान बनाते हैं। निजी तस्वीरें या वीडियो हासिल करके पैसों की मांग करना। महंगे उपहार या विदेश भेजने के नाम पर पैसे ऐंठना। प्यार और शादी का झूठा वादा करके भरोसा तोड़ना।

लड़कियों को सोशल मीडिया का उपयोग बहुत सावधानी से करना चाहिए। यहां प्यार दोस्ती का जाल बिछाए बहुत सारे शिकारी बैठे हुए हैं जो दिनरात मीठी-मीठी बातों के जाल में नादान लडकियों को फंसाने के लिए जाल फेंकते है। सोशल मीडिया का असंयमित उपयोग कई किशोरियों और युवतियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और वास्तविक जीवन को बर्बाद कर रहा है, हालांकि इसे पूरी पीढ़ी की बर्बादी कहना अतिशयोक्ति हो सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली कृत्रिम चमक और तुलना की संस्कृति गंभीर मानसिक दबाव पैदा कर रही है।

सोशल मीडिया पर अजनबी लोगों से दोस्ती करने के बाद कई बार लड़कियां ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग और साइबर अपराध का शिकार हो जाती हैं। लोग झूठी पहचान बनाकर भरोसा जीतते हैं और बाद में निजी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हैं। इससे मानसिक तनाव और सामाजिक नुकसान होता है। धोखेबाज असली नाम या तस्वीर छिपाकर गलत पहचान बनाते हैं। निजी तस्वीरें या वीडियो हासिल करके पैसों की मांग करना। महंगे उपहार या विदेश भेजने के नाम पर पैसे ऐंठना। प्यार और शादी का झूठा वादा करके भरोसा तोड़ना।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर चंद युवक-युवतियों द्वारा आपस में दोस्ती करने का रुझान बढ़ गया है जिसे ऑनलाइन फ्रैंडशिप कहा जाता है।

इनके जरिए युवक दोस्ती के नाम पर अपनी ऑनलाइन फ्रैंड्स को धोखा देने, उनका यौन शोषण करने और ब्लैकमेल करके पैसे वसूलने में भी संकोच नहीं करते जिससे उनकी चाल में फंसने वाली युवतियों की जिंदगियां तबाह हो रही हैं। हाल ही में सुर्खियों में रही कुछ वारदातों का जायजा करिए- 6 जनवरी को पालघर (महाराष्ट्र) में एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को श्इंस्टाग्रामश् पर प्रेम जाल में फंसा कर अगवा करने, महीनों तक उसका यौन शोषण करने तथा घटना का वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध केस दर्ज किया। 12 जनवरी को पाली (राजस्थान) की एक नाबालिगा से सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती करने के बाद एक युवक उसे दिल्ली ले आया और किराए के मकान में रखकर उसका कई बार शोषण किया। जब लड़की ने उससे शादी करने के लिए कहा तो उसे पीटा गया। पुलिस ने नाबालिगा की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया।

5 मई को सीकर (राजस्थान) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर शादी का झूठा वादा कर उससे बलात्कार करने और उसे जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। 20 जून को बेंगलुरु (कर्नाटक) में पुलिस ने एक व्यक्ति को एक महिला से ऑनलाइन दोस्ती करके उसे किराए पर कमरा दिलाने के बहाने एक लॉज में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया। 23 जून को बुराड़ी (दिल्ली) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड के विरुद्ध रील बनाने के बहाने उसे एक होटल में बुला कर उससे बलात्कार करने और घटना का वीडियो बना कर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

16 जुलाई को कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर उसे डरा-धमका कर उससे बलात्कार करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

5 अगस्त को बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) में एक युवती ने राजस्थान के एक युवक के विरुद्ध उसके साथ इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती करने के बाद उसे नशीली पेस्ट्री खिलाकर बेहोश करके उसके साथ बलात्कार करने और घटना का अश्लील वीडियो बना कर ब्लैकमेल करके लाखों रुपए वसूलने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

6 अगस्त को नागपुर (महाराष्ट्र) में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद एक नाबालिगा को बंधक बना कर अपने पास रखने और उसका यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया।

6 अगस्त को ही ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में एक युवती ने इंस्टाग्राम पर बने दोस्त के विरुद्ध उसे नौकरी दिलाने के बहाने मुरैना के एक होटल में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई।

12 अगस्त को सूरत (गुजरात) में पुलिस ने एक युवक को एक महिला से सोशल मीडिया पर दोस्ती करने के बाद डरा-धमका कर उससे कई बार बलात्कार करने और उसका वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर 36 तोले सोना व नकदी वसूल करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

और अब 16 अगस्त को नई दिल्ली में एक मेकअप आर्टिस्ट महिला को उसके ऑनलाइन फ्रेंड द्वारा काम दिलाने और शादी का झांसा देकर नशीला पदार्थ पिलाकर बलात्कार करने का मामला सामने आया है।

उक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि जवानी के जोश में सोशल मीडिया के जरिए युवकों से दोस्ती करना किस कदर खतरनाक हो सकता है। अतः महिलाओं को सावधानी बरतने की जरूरत है।सोशल मीडिया के जरिए ऑनलाइन रिश्तों में फंसकर कई युवतियां भावनात्मक, आर्थिक और शारीरिक शोषण का शिकार हो रही हैं। फर्जी पहचान, धोखेबाजी और ब्लैकमेलिंग के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिससे कई बार पीड़िताओं की निजी जिंदगी और मानसिक स्थिति पूरी तरह तबाह हो जाती है।अगर बात करें भी, तो सामने वाले की सच्चाई की पूरी जांच करें। तुरंत शिकायत करेंरू किसी भी तरह की धमकी मिलने पर तुरंत परिवार को बताएं और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। (फिफी)

बिखरे पल

गजेंद्र बख्शी

अतीत को समेटने की कोशिश करता हूँ तो लगता है जैसे समय की मुट्ठी से रेत की तरह फिसल चुके वे दिन आज भी कहीं न कहीं मन की तहों में सुरक्षित हैं। जीवन की भागदौड़ में हम आगे तो बढ़ते जाते हैं, लेकिन पीछे छूट गए उन पलों को जब कभी याद करते हैं, तो मन अनायास ही ठहर जाता है। कुछ स्मृतियाँ ऐसी होती हैं जिन्हें समय कितना भी पुराना कर दे, उनका स्पर्श मन से कभी मिटता नहीं।

माँ की ममता याद आती है तो लगता है जैसे जीवन की सारी कठिनाइयों के बीच भी एक सुरक्षित छाँव हमारे साथ थी। माँ की आवाज में अपनापन था, उसकी डाँट में भी चिंता छिपी होती थी। पिता का साया अपने आप में एक विश्वास था। उनकी मौजूदगी यह एहसास कराती थी कि जीवन की राह कितनी भी कठिन क्यों न हो, सिर पर एक मजबूत हाथ है। कभी दुलार मिलता था, कभी फटकार, और कभी मास्टरजी की मार भी पड़ती थी। उस समय वह मार बुरी लगती थी, मन में रोष भी आता था, लेकिन आज समझ आता है कि उस कठोरता में भी हमारे भविष्य को सँवारने की चिंता थी।

उस समय साधन सीमित थे, लेकिन इच्छाएँ भी सीमित थीं। घर में बहुत कुछ नहीं था, फिर भी जो था उसमें संतोष था। किसी के घर नया सामान आता तो उत्सुकता होती थी, लेकिन उसे पाने की बेचैनी नहीं। पड़ोसी के घर क्या है, वह हमारे जीवन की आवश्यकता नहीं बनता था। रिश्तों की गर्माहट वस्तुओं की चमक से अधिक महत्वपूर्ण थी।

आज परिस्थितियाँ बदल गई हैं। वर्तमान में उस जीवन की कशिश दिखाई नहीं देती। जिंदगी दौड़ रही है और इंसान उसके पीछे भाग रहा है। सुबह से शाम तक काम, चिंता, आवश्यकता, अपेक्षा और प्रतिस्पर्धा–इन्हीं के बीच दिन निकल जाता है। दाल, आटा और नमक जैसी बुनियादी जरूरतों के साथ अब जरूरतों की सूची इतनी लंबी हो गई है कि आदमी अपनी सामर्थ्य से अधिक पाने की कोशिश में लगा रहता है।

पड़ोसी ने नया घर बनाया तो हमें भी अपना घर बड़ा करना है। किसी ने नई गाड़ी खरीदी तो हमारे मन में भी पुरानी गाड़ी छोटी लगने लगती है। किसी ने महँगा मोबाइल लिया तो हमारा साधारण मोबाइल हमें हीन महसूस कराने लगता है। किसी के बच्चे किसी ऊँचे मुकाम पर पहुँचे तो अपने बच्चों की उपलब्धियाँ कम लगने लगती हैं। धीरे-धीरे जरूरतें इच्छाओं में और इच्छाएँ दिखावे में बदल जाती हैं।

प्रदर्शन का भाव आज जीवन का एक अदृश्य हिस्सा बन चुका है। हम वस्तु का उपयोग कम और उसका प्रदर्शन अधिक करने लगे हैं। हमारी खुशी इस बात से प्रभावित होने लगी है कि दूसरे हमें किस नजर से देखते हैं। हम अपने जीवन को अपने हिसाब से जीने के बजाय दूसरों की आँखों से देखने लगे हैं।

यहीं से अर्थ की बर्बादी का रास्ता प्रशस्त होता है। जिस धन से घर की वास्तविक जरूरतें पूरी हो सकती थीं, वही धन दिखावे की दौड़ में खर्च होने लगता है। छोटी चादर में पैर समेटकर सोना कभी हमारी समझदारी थी, लेकिन आज छोटी चादर को बड़ा करने की जद्दोजहद में हम स्वयं को ही थका रहे हैं। चादर बड़ी हो जाए, इसके लिए कभी कर्ज लेते हैं, कभी अपनी इच्छाओं को जरूरत का नाम देते हैं और कभी भविष्य की चिंता को वर्तमान की खुशी पर भारी कर देते हैं।

विडंबना यह है कि किसी को यह परवाह नहीं कि हमारी जरूरतें पूरी कहाँ से हो रही हैं। समाज परिणाम देखता है, साधन नहीं। घर कितना बड़ा है, गाड़ी कौन-सी है, पहनावा कैसा है, बच्चों की पढ़ाई कहाँ हो रही है–इन सबका मूल्यांकन तो होता है, लेकिन उस चमक के पीछे कितनी मेहनत, कितना तनाव और कितनी आर्थिक विवशता छिपी है, यह कोई नहीं पूछता।

हर इंसान अपनी-अपनी सोच में उलझा हुआ है। कोई अपनी जरूरत पूरी करने में परेशान है, कोई दूसरों से आगे निकलने की चिंता में और कोई अपने बनाए हुए दिखावे को बनाए रखने के संघर्ष में। इस दौड़ में मनुष्य के पास समय तो कम हुआ ही है, स्वयं से मिलने का अवसर भी कम हो गया है।

कभी पड़ोसी सुख-दुःख में सहभागी होता था। किसी के घर चूल्हा न जले तो दूसरे घर से भोजन पहुँच जाता था। किसी के घर बीमारी हो तो पूरा मोहल्ला चिंता करता था। आज पड़ोसी के घर की खिड़की से आती रोशनी तो दिखाई देती है, लेकिन उसके भीतर का अँधेरा दिखाई नहीं देता।

शायद इसलिए अतीत बार-बार आवाज देता है। वह हमें पीछे लौटने के लिए नहीं, बल्कि यह याद दिलाने के लिए बुलाता है कि हमने रास्ते में क्या खो दिया। हमने साधन तो बढ़ाए, लेकिन संतोष कम कर दिया। सुविधाएँ बढ़ीं, मगर अपनापन घट गया। संपर्क बढ़े, लेकिन संवाद कम हो गया। घर बड़े हुए, पर मन के आँगन छोटे होते गए।

बिखरे हुए पल वास्तव में केवल स्मृतियाँ नहीं हैं। वे हमारे जीवन का आईना हैं। उनमें हमारा बचपन है, हमारे संस्कार हैं, माता-पिता की छाया है, शिक्षक की कठोरता है और अभावों में पलता हुआ वह संतोष है जिसने हमें जीवन की कीमत समझाई।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अतीत को केवल याद न करें, बल्कि उससे कुछ सीखें। न तो पुराने समय में पूरी तरह लौटना संभव है और न ही वर्तमान से भागना। आवश्यकता केवल इतनी है कि आधुनिकता के बीच मनुष्यता बची रहे, जरूरत और दिखावे का अंतर बना रहे और हम दूसरों की जिंदगी देखकर अपनी जिंदगी को छोटा न समझें।

छोटी चादर में पैर समेटना कोई पराजय नहीं है। वास्तविक पराजय तब है जब चादर बड़ी करने की कोशिश में मनुष्य अपने सुख, संबंध, संतोष और आत्मसम्मान को छोटा कर ले।

अतीत के वे बिखरे पल शायद इसलिए इतने सुंदर लगते हैं क्योंकि उस समय में जीवन था ,सादा सहज और अपना पन। आज हमारे पास बहुत कुछ है, फिर भी मन कहीं पूछता है–

क्या विकास का अर्थ केवल अधिक पाना है, या फिर जो हमारे पास है उसमें संतोषपूर्वक जी पाना भी विकास का ही एक रूप है?

शायद यही प्रश्न वर्तमान की सबसे बड़ी सच्चाई के सामने खड़ा है।

सामयिक चर्चा

राखी में भाई-बहन का प्रेम जागा

बानी बोले खबर पढ़कर
'सुनिए गजाधर! आज अच्छी खबर -
योग गुरू बाबा रामदेव और
भाजपा सांसद कंगना रनौत के बीच
विवाद की शुरूआत कंगना की
जेन-जी प्रदर्शनों को लेकर
टिप्पणी पर
रामदेव की आपत्ति के कारण
शुरू हुई थी'
उनकी गर्वोक्ति हमें ही नहीं,
बहुतो को अच्छी नहीं लगी थी।
वो सब विवाद अब, रक्षाबंधन पर
रामदेव द्वारा कंगना को
गिफ्ट भिजवाने पर
और फोन पर बातचीत में,
पुराने मतभेद और
सार्वजनिक बयानबाजी
खत्म करने पर सहमति बनी।
दोनों में एक दूसरे के प्रति
सम्मान की भावना जगी।
गजाधर ! इस पर आपके मन ने
आपसे क्या बात कही?
गजाधर मुस्कराए बोले - बानी ! यही
कि राखी आई, बाबा रामदेव
और सांसद कंगना का
संचित अहंकार भागा।
और फिर अपने आप दोनों में
भाई-बहन का प्रेम जागा।
शनिवार 29 अगस्त 2026

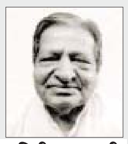

गिरीश बख्शी

कविता

हमर छत्तीसगढ़

राम के ममा गाँव हमर छत्तीसगढ़
धान के कटोरा नाव हमर छत्तीसगढ़
धरम करम के भाव हमर छत्तीसगढ़
दया मया के छांव हमर छत्तीसगढ़
करमा ददरिया के गीत हमर छत्तीसगढ़
संगी जहुरिया के प्रीत हमर छत्तीसगढ़
मितानी के मीत हमर छत्तीसगढ़
किसानी के रीत हमर छत्तीसगढ़
देवी देवता के बसेरा हमर छत्तीसगढ़
सूरूज चंदा के सबेरा हमर छत्तीसगढ़
पुरखा मन के डेरा हमर छत्तीसगढ़
परम्परा के बेरा हमर छत्तीसगढ़
नदी नरवा के धार हमर छत्तीसगढ़
हरियर-हरियर खेतखार हमर छत्तीसगढ़
बेटी माई के तिहार हमर छत्तीसगढ़
ददा भाई के पियार हमर छत्तीसगढ़
जंगल झाड़ी हमर छत्तीसगढ़
खेती बाड़ी हमर छत्तीसगढ़
गहना गुठी हमर छत्तीसगढ़
बइला-गाड़ी हमर छत्तीसगढ़ ।।

डॉ.एस एल गंधर्व
झलमला, बालोद
9926656038

राशिफल

मेष: आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप अपने कार्यक्षेत्र में बदलाव लेकर आएंगे, जिसकी वजह से आपको बड़ा लाभ होगा। आपकी कोशिशों में एक नयी किरण जगमगाएगी और जल्द ही आपको सफलता मिलेगी। आज आपके काम से खुश होकर बॉस आपके प्रमोशन के बारे में विचार कर सकते हैं।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपके कारोबार में दुगुना धन लाभ होगा। आज आप मार्केट जाकर फैमिली के लिए गिफ्ट खरीदेंगे, जिससे उन्हें खुशी मिलेगी। आज आप पैसों के लेन-देन से बचें और व्यर्थ के खर्चों को कम करें। इस राशि की महिलाएं आज बच्चों के लिए स्वादिष्ट भोजन बनाएंगी, बच्चों को खुशी मिलेगी।

मिथुन: आज का दिन आपके लिए उत्तम बना रहेगा। आज आप कर्मचारियों के साथ अपना रवैया अच्छा बनाए रखें, जिससे वे मन लगाकर काम करें। आज आप दोस्तों के साथ खूब हंसी-मजाक करेंगे लेकिन एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना जरूरी है। आज सामाजिक गतिविधियों में आपकी उपस्थिति रहेगी और किसी उलझन का भी हल मिलेगा।

कर्क: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज किसी काम के प्रति आपकी जिम्मेदारी बढ़ेगी, जिसमें आप अपने कलीग की सहायता ले सकते हैं। आज अचानक आपके घर पर किसी मेहमान का आगमन हो सकता है, जिसके चलते व्यस्तता बनी रहेगी। आज आपको किसी समारोह में शामिल होने का निमंत्रण मिलेगा।

सिंह: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको आपके सवालों के सारे जवाब मिलेंगे, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आपको जीवनसाथी से सरप्राइज मिलने की संभावना है। आज आपको किसी समस्या का समाधान मिलने से मन प्रसन्न होगा। आज आप अपने पिता का आशीर्वाद लें, कार्यों में सफलता मिलेगी।

कन्या: आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपके मन में कुछ नए विचार आ सकते हैं, जो फ्यूचर में आपके लिए लाभदायक साबित होंगे। आज आपके घर में मेहमान का आगमन हो सकता है, जिससे घर-परिवार में भी खुशी भरा माहौल रहेगा। आज आपको किसी करीबी के माध्यम से धन लाभ होने के योग बन रहे हैं।

तुला: आज का दिन आपके लिए उत्साह से भरा रहेगा। आज आपकी कारोबारी गतिविधियां अच्छी चलेंगी, आपको रोज की अपेक्षा अधिक धन लाभ होगा। आज आपकी पारिवारिक समस्याएं सुलझ जाएंगी, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बनेगा। आज आप बच्चों के साथ शॉपिंग करने मार्केट जाएंगे, जिससे उन्हें खुशी मिलेगी।

वृश्चिक: आज का दिन आपके लिए मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपके किसी निर्णय से परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। आज आप अपने काम को पूरा करने के लिए किसी करीबी की मदद ले सकते हैं, बेहतर होगा आप अपने विवेक का उपयोग करेंगे। आज आप समय निकालकर थोड़ी देर बुजुर्गों के साथ बैठेंगे।

धनु: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बढ़िया धन लाभ होगा, आपके घर में भौतिक साधनों की बढ़ोतरी होगी। आज आप किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए जीवनसाथी की मदद ले सकते हैं। आज कार्यभार की वजह से शारीरिक और मानसिक थकान हो सकती है। आज आप अपने कर्मचारियों का मान-सम्मान करेंगे।

मकर: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप ऑफिस की मीटिंग में अपने विचार रखेंगे, जो सभी को बहुत पसंद आएंगे। आज किसी आदर्श व्यक्ति की प्रेरणा से सजगता और भरपूर ऊर्जा मिलेगी। आज आपके दांपत्य जीवन में खुशहाली आएगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज किसी काम में संघर्ष के बाद सफलता मिलने के योग हैं।

कुंभ: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप अपने कारोबार को और बड़ा बनाने का प्रयास करेंगे। आज आप किसी दोस्त से मिलने उसके घर जा सकते हैं, उससे मिलकर आपको खुशी मिलेगी। आज आपको संतान की तरफ से संतोषजनक नतीजे मिलने से सुकून मिलेगा। इस राशि की महिलाएं आज किसी काम की शुरुआत कर सकती हैं।

मीन: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप घर शिफ्ट करने में अपने मित्र की मदद ले सकते हैं। इस राशि के विवाहितों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। आज आपको कार्यप्रणाली में लाए गए परिवर्तन के अनुकूल परिणाम मिल सकते हैं। आज आपका व्यावसायिक दृष्टिकोण कई मामलों को सुलझाने में सक्षम रहेगा।

जिला भाजपा की संगठनात्मक बैठक में संगठन महामंत्री पवन साय ने दिए मजबूती के गुर

खैरागढ़ (दावा)। भारतीय जनता पार्टी खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित की गई। प्रवास के दौरान बैठक में पहुंचे छत्तीसगढ़ भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय ने जिले में पार्टी को और अधिक मजबूत बनाने के संबंध में उपस्थित पदाधिकारियों से विस्तार से चर्चा की और उनके सुझाव मांगे। बैठक को संबोधित करते हुए संगठन महामंत्री पवन साय ने कार्यकर्ताओं में एकजुटता का मंत्र फूंका। उन्होंने कहा, हम सभी भाजपा के कार्यकर्ता हैं और जब हम मिलकर काम करेंगे, तभी संगठन आगे बढ़ेगा। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता, बस सही मार्गदर्शन और समन्वय की आवश्यकता होती है। जिला स्तर, मण्डल स्तर, शक्ति केंद्र स्तर और बूथ स्तर के बीच परस्पर समन्वय रहने से ही संगठन के कार्य सुचारू रूप से संचालित होते हैं। उन्होंने प्रवास के दौरान संगठनात्मक ढांचे की प्रगति की जानकारी लेने, नियमित बैठकों का क्रम बनाए रखने और मोर्चा-प्रकोष्ठों के प्रभारियों की नियुक्ति पर बल दिया। इसके साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर की छोटी-छोटी समस्याओं व विषयों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

संगठन के दिशा-निर्देशों पर एकजुट होकर करेंगे काम : सांसद संतोष पांडे

क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडे ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय जी ने संगठन को मजबूत करने के लिए जो महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए हैं। उन पर जिले का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ अमल करेगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से आपसी समन्वय के साथ पार्टी हित में कार्य करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष ने रखी संगठनात्मक गतिविधियों की रिपोर्ट कार्यक्रम की शुरुआत में जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. बिशेसर साहू ने जिले में चल रही भाजपा की संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्ययोजनाओं और सांगठनिक ढांचे के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला भाजपा प्रभारी नलीनीश ठोकने, भाजपा विधानसभा प्रभारी संदीप शर्मा, नगर पालिका चुनाव प्रभारी व पूर्व संसदीय सचिव लाभचंद बाफना, जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रियंका ताम्रकार, पूर्व विधायक कोमल जंघेल, जिला उपाध्यक्ष टि.के. चंदेल, प्रदेश कार्य समिति सदस्य घम्मन साहू, महामंत्री गण नवनीत जैन, शशांक ताम्रकार, जैनेन्द्र जंघेल, आनंद सिन्हा, सांसद प्रतिनिधि खम्हन ताम्रकार, नगर पालिका अध्यक्ष गिरजा चंद्राकर, पुष्पा वर्मा, जिला भाजयुमो अध्यक्ष आयश सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष खैरागढ़ डॉ राजेश्री त्रिपाठी, राजू जंघेल, राकेश ठाकुर, पार्षदगण विनय देवांगन, कीर्ति वर्मा, मंडल अध्यक्षगण गोरेलाल वर्मा, दिनेश वर्मा, भावेश कोचर, जीवनदास रात्रे, जिला पंचायत सदस्य अरुणा बनाफर, कृष्णा वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता विकेश गुप्ता, श्यामपाल ताम्रकार, विनय चोपड़ा, अवध वर्मा सहित जिले के प्रमुख भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राज परिवार से श्रीमती मनीषा बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह एवं ईला सिंह पहुंचे राधाकृष्ण मंदिर

बेलगांव में अनवरत चलने वाले श्री राम नाम सप्ताह यज्ञ का किया शुभारंभ

डोंगरगढ़/ बेलगांव (दावा)। डोंगरगढ़ ब्लॉक के सबसे बड़े आयुर्वेद ग्राम बेलगांव के राधा कृष्ण मंदिर मे रक्षाबंधन पर्व के दूसरे दिन से कृष्ण जन्माष्टमी तक एक सप्ताह अनवरत सीताराम सीताराम का जाप समस्त ग्राम वासियों द्वारा बारी-बारी से सैकड़ो वर्षो से किया जाता आ रहा है।जिसमें ग्रामीण बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर अपने कर्तव्य और गांव की परंपरा को आगे बढ़ाते जा रहे हैं। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी श्री राम नाम जद्य प यज्ञ का आयोजन किया गया है। शनिवार रात्रि 8:00 बजे से गांव के पुरोहित पंडित गोपी लाल शर्मा द्वारा पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर प्रारंभ किया गया।

ज्ञात होवे कि स्वर्गीय श्री लाल शंकर बहादुर सिंह के पूर्वजों द्वारा वर्षों पूर्व श्री राधाकृष्ण मंदिर निर्माण किया गया था। मंदिर परिसर में भव्य बावली का निर्माण भी किया गया है जिसे दूर-दूर से देखने ग्रामीण पहुंचते हैं। बेलगांव के पूर्व सरपंच छबीलराम साहू, मुरली गेडाम तथा ग्रामीणों ने राजनांदगांव निवास में जाकर राज परिवार को कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया गया। जिसे स्वीकार करते हुए राज परिवार के श्रीमती मनीषा बहादुर सिंह, श्रेयांश बहादुर सिंह एवं ईला सिंह ने राधाकृष्ण मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की एवं ग्रामवासियों के साथ मिलकर श्री राम नाम जाप यज्ञ का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर सरपंच कौशल चंद्रवंशी, पूर्व सरपंच छबीलराम साहू, मुरली गेंदाम, ग्राम प्रमुख दीनेतु जांगड़े, गोपी लाल शर्मा, नीरज शर्मा, फूलचंद कंवर, पुरुषोत्तम साहू, प्रहलाद कंवर, राधेलाल सिन्हा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं भजन मंडली उपस्थित थे।

पहला कॉलम...

भोजली महोत्सव में गूंजा जल, जमीन, जीवन और खेती-किसानी बचाने का संकल्प

खैरागढ़ (दावा)। युवा किसान संघर्ष समिति ग्राम पंडरिया में शनिवार को भोजली महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसान अधिकार संघर्ष समिति के पदाधिकारी, सदस्यगण, युवा साथी, ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समिति के संरक्षक एवं पूर्व विधायक गिरवर जंघेल, वरिष्ठ अधिवक्ता मोतीलाल जंघेल, समिति अध्यक्ष लुकेश्वरी जंघेल, सचिव प्रियंका जंघेल सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। उपाध्यक्षों में कामदेव जंघेल, संजू चंदेल, मन्नू चंदेल, बिरेंद्र जंघेल एवं प्रमोद सिंह ठाकुर तथा कोषाध्यक्ष श्रवण जंघेल एवं नोहर जंघेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समिति सदस्य मुकेश पटेल, कैलाश जंघेल, केदार जंघेल, डॉ. नेतराम जंघेल, अशोक जंघेल, प्रेमलाल जंघेल, विष्णु मंडल, कुमार मंडल, भूखण सहित युवा साथी हुकुम जंघेल, सौरभ, विक्रम, चिरंजय, वेदप्रकाश, लक्की, सागर एवं भूषण तथा बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासी शामिल हुए।

समिति अध्यक्ष लुकेश्वरी जंघेल ने कहा कि भोजली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी मिट्टी, खेती-किसानी, हरियाली और प्रकृति से जुड़ी हमारी जीवन संस्कृति का प्रतीक है। भोजली में हम अच्छी फसल, खुशहाली और समृद्धि की कामना करते हैं। किसान जिस तरह अपने खेत में धान की फसल को स्वस्थ और सुरक्षित रखने के लिए उसमें उग आई करगा (खरपतवार) को निकालता है, उसी तरह आज हमें भी अपनी जल, जमीन, जंगल, पर्यावरण और खेती-किसानी को नुकसान पहुंचाने वाली हर चुनौती के प्रति सजग होना होगा। उन्होंने कहा कि हमारी जमीन केवल जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ीयों की विरासत है। खेत केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि किसान के जीवन और सम्मान का आधार है। इसलिए विकास के नाम पर यदि हमारी खेती, जलस्रोत, पर्यावरण और ग्रामीण जीवन पर संकट आता है तो उसका शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करना हमारा अधिकार और जिम्मेदारी दोनों है। वहीं समिति के संरक्षक एवं पूर्व विधायक गिरवर जंघेल ने कहा कि भोजली पर्व केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि हमारी खेती-किसानी, हरियाली, प्रकृति और खुशहाल भविष्य का प्रतीक है। आज जब किसान अपने खेतों में लहलहाती फसलों और हरियाली की कामना कर रहे हैं, ऐसे समय में क्षेत्र की जल, जीवन, जमीन और खेती-किसानी पर मंडरा रहे संकट ने सभी को चिंतित कर दिया है।

उन्होंने क्षेत्र में प्रस्तावित श्री सीमेंट की खदान एवं फैक्ट्री का विरोध करते हुए कहा कि यह समय किसी एक व्यक्ति, गांव या समाज का नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के अस्तित्व, पर्यावरण, किसानों और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा का समय है। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों से आपसी मतभेदों को भुलाकर एकजुट, संगठित और मजबूती के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने क्षेत्र की हरियाली, खेती-किसानी, जल, जीवन,जमीन की रक्षा के लिए एकजुट होकर शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करने का संकल्प लिया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 34 पौवा देशी प्लेन शराब और नगद रकम की बरामद

राजनांदगांव (दावा)। डोंगरगांव पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र में शराब बेचने वाले आरोपी से 35 पौवा देशी प्लेन शराब के साथ नगदी रकम 300 रुपए बरामद की है।

डोंगरगांव थाना प्रभारी आशीर्वाद रहटगावकर ने बताया कि रविवार 30 अगस्त को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम राजाखुज्जी में आरोपी रोशन निषाद पिता रूपलाल निषाद, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम राजा खुज्जी, द्वारा अपनी दुकान में अवैध रूप से देशी शराब रखकर बिक्री किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु हमराह स्टाफ एवं गवाहों के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही की गई। मौके पर एक व्यक्ति को पकड़ा गया, जिसने अपना नाम रोशन निषाद बताया। संदेही की सहमति से उसकी एवं दुकान की तलाशी लेने पर एक हरे-काले रंग के थैले में रखी 34 नग पौवा देशी प्लेन शराब सवा सेरा ब्राण्ड, प्रत्येक पौवा 180 एमएल, कुल 6.120 बल्क लीटर, अनुमानित कीमत 2,720 रूपये तथा बिक्री की रकम 300 रूपये, कुल 3,020 रूपये को विधिवत जप्त की गई। आरोपी द्वारा शराब रखने एवं बिक्री करने के संबंध में कोई वैध दस्तावेज अथवा अनुज्ञप्ति प्रस्तुत नहीं किए जाने पर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रस्तुत किया गया।

'खेलो इंडिया संवाद : खेल की बात पीएम मोदी के साथ' कार्यक्रम का आयोजन

खैरागढ़ (दावा)। युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता, खेल भावना एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रानी रश्मि देवी सिंह शासकीय महाविद्यालय, खैरागढ़ में 'खेलो इंडिया संवाद : खेल की बात पीएम मोदी के साथ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं मेरा युवा भारत, जिला खैरागढ़-छुईखदान, गंडई के विशेष सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओ.पी. गुप्ता ने की। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में प्रिंकेश कश्यप, सहायक जिला खेल अधिकारी तथा सीतांशु गुप्ता, खेलो इंडिया फुटबॉल कोच उपस्थित रहे। वहीं यूथ आइकॉन जामनी साहू, डीलू साहू एवं नेमा निषाद (राष्ट्रीय खो-खो खिलाड़ी) ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए खेल के महत्व, अनुशासन, नियमित अभ्यास तथा खेल के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के संबंध में प्रेरक विचार साझा किए।

अतिथियों ने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य का माध्यम नहीं है, बल्कि यह युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और संघर्ष करने की क्षमता का विकास करता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि के खेल को अपनाकर नियमित अभ्यास करने तथा खेल के माध्यम से अपने व्यक्तित्व एवं भविष्य को नई दिशा देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने खेलों से संबंधित विभिन्न विषयों पर संवाद किया तथा 'खेल की बात पीएम मोदी के साथ' कार्यक्रम के माध्यम से खेलों के प्रति प्रधानमंत्री के संदेश एवं विचारों से जुड़ने का अवसर प्राप्त किया। कार्यक्रम के संयोजक यशपाल जंघेल, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना रहे। इस अवसर पर डॉ. उमेंद कुमार चंदेल, अतिथि व्याख्याता (हिंदी), होमन साहू, शिक्षक (हिंदी) तथा टिकेंद्र वर्मा, संयोजक, जनसेवा सेवा संस्थान सहित महाविद्यालयीन स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला औरदा में हुए विविध कार्यक्रम

घुमका (दावा)। राष्ट्रीय पर्व के साथ ही त्योहारों एवं पर्वों का सिलसिला चल पड़ा है ऐसे में पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को पर्वों एवं त्योहार एवं महापुरुषों की जयंती आदि स्कूलों में मनाना आवश्यक होता है ताकि आज बच्चे अपनी संस्कृति एवं संस्कार को ना भूले आज के भौतिकवादी युग में एवं टेक्नोलॉजी के जमाने में बच्चों को जमीन से एवं संस्कार से जोड़कर रखना अति आवश्यक है ।

इसी तारतम्य में में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला औरदा में श्रीमती शीला सोनी (प्रधान पाठिका) के मार्गदर्शन में नाग पंचमी का त्यौहार मनाया गया जिसमें बच्चे अपने हाथों से मिट्टी के शिवलिंग एवं नाग देवता बनाकर पूजन अर्चन किया गया तथा इस दिन गेड़ी एवं फुगड़ी प्रतियोगिता भी रखी गई थी रक्षाबंधन के त्यौहार में एक दिन पूर्व बच्चों ने अपने हाथों से राखी बनाकर अपने छात्र भाइयों को तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया तथा छात्र भाइयों ने अपनी बहनों को उपहार स्वरूप पौधे दिए इसके अलावा वृक्षों को भी राखी बांधकर वृक्षारोपण करने का संकल्प लिया। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला औरदा में बहुत सारे औषधि पौधे लगे हुए हैं जिसमें एलोवेरा, गिलोय, गुलाब बादाम, कदम, नीम के पौधे लगे हुए हैं इन सभी कार्यक्रमों में स्टाफ के सभी शिक्षकों व जनभागीदारी समिति एवं पालकों का सहयोग मिलता रहा है।

जेएनवी डोंगरगढ़ में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन, छात्राओं ने बांधी राखिया

डोंगरगढ़ (दावा)। जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) डोंगरगढ़ में भाई-बहन के पवित्र प्रेम, स्नेह और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व आत्मीय वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार सिंह एवं उप प्राचार्य संजय कुमार मंडल के मार्गदर्शन में हुआ।

कलाई पर सजी राखियां, लिया सुरक्षा का संकल्प

समारोह के दौरान विद्यालय की छात्राओं ने छात्रों की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर भाई-बहन के अटूट रिश्ते की भावनाओं को अभिव्यक्त किया। विद्यार्थियों ने एक-दूसरे के प्रति सम्मान, स्नेह और सहयोग की भावना को बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में दीपचंद चौरसिया ने रक्षाबंधन के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व पर विचार व्यक्त किए। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेकर परिसर का माहौल उत्सवमय बना दिया।

संस्कृति और मूल्यों को मजबूत करते हैं त्यौहार : प्राचार्य

शुभकामनाएं देते हुए प्राचार्य संजय कुमार सिंह ने कहा कि रक्षाबंधन केवल कलाई पर राखी बांधने का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रेम, विश्वास, सम्मान और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने का संदेश देता है। वहीं उप प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय परंपराओं से जोड़ने के साथ उनमें सामाजिक जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का विकास करते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उत्साह और उमंग से भरे इस आयोजन ने परिसर में आत्मीयता का रंग घोल दिया।

रक्षाबंधन पर्व : खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा ने सुरक्षा में तैनात जवानों की कलाई पर बांधी राखी, मांगी क्षेत्रवासियों की सुरक्षा की दुआ

o महिला कांग्रेस के साथ थाने पहुंचीं विधायक, जवानों के समर्पण को किया नमन

o जवानों ने भी रक्षा सूत्र बंधवाकर क्षेत्र की सुरक्षा व शांति का दोहराया संकल्प

खैरागढ़ (दावा)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प की अनूठी मिसाल देखने को मिली। जब खैरागढ़ विधायक यशोदा वर्मा ने थाना खैरागढ़ में पहुंच कर सुरक्षा में तैनात पुलिस जवानों की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्रवासियों की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने का संदेश दिया। विधायक यशोदा वर्मा ने जवानों को अपना भाई मानते हुए उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। इस दौरान उन्होंने जवानों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि जिस तरह भाई अपनी बहन की रक्षा का संकल्प लेता है। उसी तरह पुलिस के जवान दिन-रात समाज और क्षेत्रवासियों की सुरक्षा के लिए अपना कर्तव्य निभाते हैं। रक्षाबंधन का यह आयोजन भाई-बहन के प्रेम आपसी विश्वास, संस्कार और भारतीय संस्कृति की जीवंत तस्वीर बन गया। राखी बांधते समय विधायक यशोदा वर्मा ने जवानों के सुखद एवं सुरक्षित जीवन की कामना की और क्षेत्र की शांति एवं सुरक्षा के लिए उनके समर्पण को नमन किया। इस अवसर पर जवानों ने भी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं स्वीकार करते हुए क्षेत्रवासियों की सुरक्षा के प्रति अपने कर्तव्य और जिम्मेदारी को दोहराया। उनके साथ महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष आरती महोबिया, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मीरा चोपड़ा,शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष अनुभा चंद्राकर, ग्रामीण महिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमकल्याणी तोड़े, पार्षद सुमन पटेल सहित शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरूण भारद्वाज, नेता प्रतिपक्ष दिपक देवांगन, उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह गहरवार, सचिव रतन सिंगी सहित बड़ी संख्या में पुलिस विभाग के अधिकारी एवं पुलिस जवान उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज में चयनित समाज की होनहार बेटियों का हुआ भव्य सम्मान

पूर्वी ब्लॉक गोटाटोला में आयोजित कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों ने बढ़ाया हौसला

मोहला-मानपुर-अं. चौकी (दावा)। अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी आदिवासी समाज पूर्वी ब्लॉक गोटाटोला द्वारा समाज की उन होनहार बेटियों का गरिमामय समारोह में सम्मान किया गया, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट प्रतिभा के बल पर मेडिकल कॉलेज में चयन हासिल कर पूरे क्षेत्र व समाज का नाम रोशन किया है। कार्यक्रम के दौरान समाज के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठजनों ने चयनित बेटियों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि यह उपलब्धि केवल संबंधित परिवारों की नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अत्यंत गर्व और प्रेरणा का विषय है। इन बेटियों ने साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, निरंतर परिश्रम किया जाए और परिवार व समाज का सकारात्मक संबल मिले, तो वनांचल व ग्रामीण पृष्ठभूमि की बेटियां भी सर्वोच्च मुकाम हासिल कर सकती हैं।

शिक्षा और सामाजिक एकता पर जोर

समारोह में वक्ताओं ने नई पीढ़ी से शिक्षा को जीवन का सबसे मजबूत आधार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने सक्षम एवं शिक्षित युवाओं से अपील की कि वे अपने अनुभव और मार्गदर्शन से जरूरतमंद व मेधावी विद्यार्थियों का सहयोग करें, ताकि आर्थिक या सामाजिक अभाव किसी भी प्रतिभावान बच्चे की प्रगति में बाधा न बन सके। समाज के प्रबुद्धजनों ने कहा कि संगठित समाज ही प्रतिभाओं को सही मंच और पहचान दिला सकता है।

भविष्य में भी जारी रहेगा प्रतिभा प्रोत्साहन

पदाधिकारियों ने संकल्प दोहराया कि समाज भविष्य में भी शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को इसी तरह प्रोत्साहित और सम्मानित करता रहेगा। विश्वास जताया गया कि ये बेटियां आगे चलकर कुशल चिकित्सक के रूप में समाज और मानवता की निस्वार्थ सेवा करेंगी। समारोह में मुख्य रूप से सोमनाथ भंडारी (अध्यक्ष, कर्मचारी प्रकोष्ठ), छगन बढ़ई (अध्यक्ष, सामाजिक प्रकोष्ठ), देवनाथ धलेन्द्र, किशोर कोमा, लिखन गांवरे, केमन माहले, हुमन कोरटिया, गोकुल ठाकुर, लीलाधर कोलियरे, तानू राम अमिले, कृपाल सिंह पुजारी सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु, प्रबुद्धजन और परिजन उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन पर केसीजी पुलिस की अनोखी पहल, भाई-बहनों ने लिया 'साइबर सुरक्षा बंधन' का संकल्प

0 विभिन्न चौक-चौराहों पर पुलिस अधिकारियों द्वारा 'राखी साइबर जागरूकता अभियान' का संचालन, 0 साइबर अपराधों से बचाव एवं डिजिटल सुरक्षा के प्रति आम नागरिकों को किया गया जागरूक

खैरागढ़ (दावा)। 'साइबर जागृति अभियान' के अंतर्गत रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर खैरागढ़ छुईखदान गंडई जिला पुलिस के निर्देशानुसार संचालित विशेष 'साइबर सुरक्षा बंधन' अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक लक्ष्य विनोद शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के विभिन्न चौक-चौराहों एवं प्रमुख स्थानों पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आम नागरिकों, विशेषकर भाई-बहनों एवं युवाओं को साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया। इस दौरान नागरिकों को बताया गया कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम एवं सुरक्षा के संकल्प का पर्व है। वर्तमान डिजिटल युग में साइबर अपराधों से स्वयं एवं अपने परिवार को सुरक्षित रखना भी हमारी जिम्मेदारी है। पुलिस अधिकारियों द्वारा नागरिकों को फर्जी गिफ्ट लिंक, लॉटरी/इनाम के झांसे, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, ओटीपी एवं बैंकिंग फ्रॉड, केवायसी अपडेट के नाम पर ठगी तथा संदिग्ध लिंक से सावधान रहने की जानकारी दी गई। भाई-बहनों से अपील की गई कि इस रक्षाबंधन पर एक-दूसरे की साइबर सुरक्षा का संकल्प लें और अपने परिवार एवं परिचितों को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करें। केसीजी पुलिस की ओर से जिलेवासियों को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें साइबर जागरूक बनें केसीजी पुलिस, आपकी सुरक्षा, हमारी प्राथमिकता है।

पहला कॉलम...

गौतम गंभीर की लाडली आजीन बनीं 'फिट इंडिया मूवमेंट' की सबसे युवा ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आज, रविवार 30 अगस्त को 'संडेज ऑन साइकिल' कार्यक्रम के 88वें संस्करण में एक बेहद गर्व और भावुक कर देने वाला पल देखने को मिला। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की 12 वर्षीय बड़ी बेटी आजीन गंभीर को 'फिट इंडिया एंबेसडर' की उपाधि से नवाजा गया। केंद्रीय खेल और युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया ने आजीन को इस खास सम्मान से पुरस्कृत किया। आजीन 'फिट इंडिया मूवमेंट' की सबसे युवा ब्रांड एंबेसडर बनीं। इस मौके पर खुद गौतम गंभीर भी मौजूद रहे। एक पिता के रूप में यह उनके लिए एक बेहद गौरवशाली क्षण था। कार्यक्रम के 'नेशनल स्पोर्ट्स डे' एडिशन में खेल मंत्री, कोच गौतम गंभीर के अलावा पहलवान संग्राम सिंह और एक्टर मधुरिमा तुली ने प्रतिभागियों का नेतृत्व किया।

आजीन को यह अहम जिम्मेदारी युवाओं और आम लोगों के बीच एक स्वस्थ व सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दी गई है। यह सम्मान इसलिए भी खास है क्योंकि आजीन के पिता गंभीर हमेशा से क्रिकेट के मैदान पर अपने कड़े अनुशासन और बेहतरीन फिटनेस के लिए जाने जाते रहे हैं। गंभीर की कोचिंग में ही हाल ही में टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया था। साथ ही पिछले वर्ष चैंपियंस ट्रॉफी पर भी ऐतिहासिक कब्जा जमाया था।

ईशान किशन बाहर, वैभव सूर्यवंशी को मिली ईस्ट जोन की कप्तानी

बेंगलुरु। युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को सीनियर फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में पहली बार कप्तानी करने का मौका मिला। रविवार को सेंट्रल ज़ोन के खिलाफ़ दिलीप ट्रॉफी के सेमीफ़ाइनल मैच में उन्होंने ईस्ट ज़ोन टीम के स्टैंड-इन कप्तान के तौर पर ज़िम्मेदारी संभाली।

ईस्ट ज़ोन के मौजूदा उप-कप्तान सूर्यवंशी ने सेमीफ़ाइनल के पहले दिन कप्तानी की ज़िम्मेदारी तब संभाली जब रेगुलर कप्तान ईशान किशन मैदान से बाहर चले गए। सेंट्रल ज़ोन की बैटिंग के दौरान विकेटकीपिंग करते हुए किशन के दाहिने अंगूठे में चोट लग गई थी। ईस्ट ज़ोन के कप्तान की जगह विकेट के पीछे कुमार कुशाग्रा आए, जबकि सूर्यवंशी ने कुछ समय के लिए ज़ोनल टीम के स्टैंड-इन कप्तान के तौर पर कमान संभाली। सूर्यवंशी दिलीप ट्रॉफी में चर्चा का विषय रहे हैं। नॉर्थ ईस्ट ज़ोन के खिलाफ़ क्वार्टर फ़ाइनल में इस युवा खिलाड़ी ने भले ही सिर्फ़ आठ रन बनाए, लेकिन गेंदबाज़ी में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। इस युवा खिलाड़ी ने मैच के दौरान अपनी भूमिका में हुए बदलाव के बारे में बात की और बताया कि उन्हें कैसा लगा जब उन्होंने दूसरी पारी में गेंदबाज़ी की और दो विकेट लिए। उनकी टीम ने यह मैच एक पारी और 210 रनों से जीता।

बाबर आज़म के खराब प्रदर्शन पर मोहम्मद यूसुफ़ का बड़ा हमला

लंदन । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने टेस्ट कप्तान

बाबर आज़म की लगातार नाकामियों के बीच उन्हें अपनी कमियों को ठीक न करने देने के लिए 'तथाकथित कोचों' की कड़ी आलोचना की है। बाबर आज़म का खराब फ़ॉर्म जारी है; दिसंबर 2022 के बाद से उन्होंने कोई टेस्ट शतक नहीं लगाया है, हालांकि हाल ही में वे कई बार शतक के करीब पहुंचे हैं।

भले ही बाबर शतक नहीं बना पाए हैं, लेकिन उनके आउट होने के एक जैसे तरीकों की वजह से उनकी और ज़्यादा आलोचना हो रही है। इंग्लैंड के खिलाफ़ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान एक बार फिर अपनी कमज़ोरी का शिकार बने। कमेंट्री के दौरान नासिर हुसैन ने इंग्लैंड से लेकर वेस्ट इंडीज़ तक उनके आउट होने के पैटर्न का इस विश्लेषण पर ध्यान देते हुए, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और बैटिंग कोच यूसुफ ने कोचों की कड़ी आलोचना की कि उन्होंने बाबर को अपनी कमी पर काम नहीं करने दिया, जिसे आसानी से ठीक किया जा सकता था। ङ्क पर वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ÷कुछ साल पहले मैंने इस बारे में चेतावनी दी थी, लेकिन दुर्भाग्य से बाबर आज़म और अन्य खिलाड़ियों के आस-पास मौजूद कुछ तथाकथित कोचों ने उन्हें उन मुद्दों पर काम नहीं करने दिया जिन्हें आसानी से सुलझाया जा सकता था। उस नाकामी ने पाकिस्तान क्रिकेट को उस गिरावट की ओर धकेल दिया है जिसे हम आज देख रहे हैं।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को तगड़ा झटका, ICC ने छीन ली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

कोलंबो. श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को आईसीसी ने तगड़ा झटका दिया है. 2027 में पहली बार होने वाली आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी अब श्रीलंका में नहीं होगी. आईसीसी ने श्रीलंका बोर्ड से इस टूर्नामेंट की मेजबानी छीन ली है. छह टीमों के बीच 14 से 28 फरवरी तक होने वाला यह टूर्नामेंट अब किसी दूसरे देश में कराया जाएगा.

हालांकि, अभी तक नए मेजबान देश का फैसला नहीं हुआ है. माना जा रहा है कि आईसीसी बोर्ड की अगली बैठक में इस पर अंतिम निर्णय हो सकता है. श्रीलंका में क्रिकेट प्रशासन को लेकर आईसीसी और श्रीलंका क्रिकेट के बीच विवाद लगातार गहराता जा रहा है. फिलहाल श्रीलंका क्रिकेट का संचालन सरकार की ओर से नियुक्त ट्रांसफॉर्मेशन कमिटी कर रही है. आईसीसी लंबे समय से सदस्य क्रिकेट बोर्डों की स्वतंत्रता पर जोर देता रहा है और उसका कहना है कि क्रिकेट प्रशासन में सरकारी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए.

श्रीलंका क्रिकेट ट्रांसफॉर्मेशन कमिटी के सचिव प्रकाश शाफ्टर ने संडे टाइम्स से बातचीत में पुष्टि की कि टूर्नामेंट श्रीलंका से बाहर चला गया है. उन्होंने कहा, च्हां, इसे श्रीलंका से बाहर कर दिया गया है. यह किसी दूसरे स्थान पर खेला जाएगा, लेकिन अभी मुझे नहीं पता कि वह स्थान कहां होगा.

यह पहली बार नहीं है जब प्रशासनिक विवाद का असर श्रीलंका की मेजबानी पर पड़ा हो. नवंबर 2023 में आईसीसी ने सरकारी हस्तक्षेप को लेकर श्रीलंका क्रिकेट को निलंबित कर दिया था. इसके बाद श्रीलंका से 2024 पुरुष अंडर-19 विश्व कप की मेजबानी भी छीन ली गई थी. टूर्नामेंट बाद में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित हुआ. अब महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी हाथ से निकलना श्रीलंकाई क्रिकेट प्रशासन के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है.

ट्रांसफॉर्मेशन कमिटी श्रीलंका क्रिकेट के ढांचे और संविधान में बदलाव की प्रक्रिया पर काम कर रही है. दूसरी ओर, आईसीसी लगातार श्रीलंका में लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव कराने और निर्वाचित बोर्ड को बहाल करने की मांग कर रहा है. ट्रांसफॉर्मेशन कमिटी के नियंत्रण में आने के बाद से श्रीलंका के प्रतिनिधियों को आईसीसी बोर्ड की बैठकों में भी हिस्सा लेने की अनुमति नहीं मिली है.

श्रीलंका को रौंदने के बाद अब अफगानिस्तान से भिड़ेगा भारत

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से जीतने के बाद भारतीय टीम अब अगले महीने एक्शन में नजर आएगी। अफगानिस्तान टीम दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारतीय टीम की मेजबानी करने जा रही है।

इस दौरान दोनों टीमों के बीच 3 टी20 मुकाबले खेले जाएंगे। टी20 सीरीज की शुरुआत 13 सितंबर से होगी। दूसरा टी20 15 सितंबर को और तीसरा 17 सितंबर को खेला जाएगा। इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), नूर रहमान (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, दरवेश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नायब, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नंग्याल खारोटी, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी, अब्दुल्ला अहमदजई, नवीन-उल-हक।

महिला हॉकी विश्वकप : अर्जेंटीना की टीम बनी चैंपियन, नौ बार की चैंपियन नीदरलैंड को शूटआउट में हराया

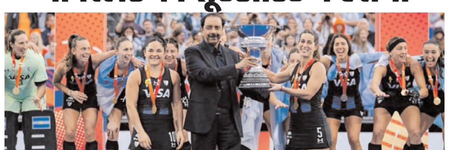

नई दिल्ली।अर्जेंटीना ने महिला हॉकी विश्व कप के फाइनल में सह-मेजबान नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर तीसरी बार खिताब जीत लिया। इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने पिछली विश्व कप हार का बदला भी चुकता किया। नीदरलैंड का लगातार चौथी बार चैंपियन बनने और रिकॉर्ड 10वां खिताब जीतने का सपना टूट गया।

अर्जेंटीना ने शनिवार को रोमांचक फाइनल में सह-मेजबान नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर महिला हॉकी विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। निर्धारित समय में दोनों टीमें 1-1 से बराबर रहीं, जिसके बाद मुकाबले का फैसला शूटआउट से हुआ। अर्जेंटीना ने शूटआउट में संयम दिखाते हुए बाजी मार ली और तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अर्जेंटीना की ओर से विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने गोल किए।

एक ओवर में चार छक्कों ने गेम बदला, सेंट्रल दिल्ली किंग्स को फाइनल में पहुंचाकर खुश कप्तान जोंटी सिद्धू

नई दिल्ली। सेंट्रल दिल्ली किंग्स शुक्रवार को पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ 72 रन से दमदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल में पहुंची, जहां 30 अगस्त को उसका सामना साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स से होगा।

अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए क्वालीफायर-2 में किंग्स के कप्तान जोंटी सिद्धू ने 46 गेंदों में 10 छक्कों और 5 चौकों के साथ 106 रन की नाबाद पारी खेली। उनकी इस पारी के दम पर टीम ने 20 ओवरों में 218/5 का स्कोर खड़ा किया, जिसके बाद पुरानी दिल्ली को 17.4 ओवरों में 146 रन पर समेट दिया। बतौर गेंदबाज जोंटी ने 3 ओवरों में 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए। शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस नॉकआउट मुकाबले में अपने मैच जिताऊ प्रदर्शन पर बात करते हुए सिद्धू ने बताया कि जब टीम दबाव में थी, तब ऐसा प्रदर्शन करना बहुत संतोषजनक था। जीत के बाद उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं। मैंने अपनी टीम के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में अहम योगदान दिया। इस चरण पर टीम को ऐसे ही प्रदर्शन की सबसे ज्यादा जरूरत थी, इसलिए मुझे खुशी है कि यह सही समय पर हुआ। जब शुरुआती विकेट गिर गए और अनुमानित स्कोर कम लग रहा था, तब सिद्धू और उनके साथी आदित्य भंडारी (नाबाद 24) ने आखिरी ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। दोनों के बीच 22 गेंदों में 64 रन की अटूट साझेदारी हुई।

कप्तान ने बताया, भंडारी और मैंने बात की थी कि अगर हम क्रीज पर टिके रहे, तो हमें एक बड़ा ओवर मिल जाएगा, जिससे मैच का रुख बदल जाएगा। ठीक वैसा ही हुआ; मैंने एक ओवर में चार छक्के मारे, भंडारी ने दो मारे, और अचानक हम 200 रन के करीब पहुंच गए। वे (पुरानी दिल्ली 6) मेरे खिलाफ वाइड यॉर्कर डालने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए मैंने अंदाजा लगा लिया कि गेंदें कहां गिरेंगी। मैंने उनकी रणनीति का सामना करने के लिए खुद पर भरोसा रखा और भगवान की कृपा से, मैंने गेंद को अच्छे से हिट किया। जोंटी सिद्धू ने मॉडर्न टी20 क्रिकेट के हिसाब से अपने गेम को ढालने के लिए जरूरी समर्पण के बारे में भी बात करते हुए कहा, हम बचपन से ही एकेडमी में रेड-बॉल क्रिकेट की प्रैक्टिस करते हैं, लेकिन टी20 के हिसाब से खुद को ढालने में मुझे एक-दो साल लग गए। मैंने पिछले 6-7 महीनों में अपने खेल के इस पहलू को बेहतर बनाने के लिए बहुत मेहनत की है, क्योंकि आज के क्रिकेट में इसकी जरूरत है।

दलीप ट्रॉफी : हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सेमीफाइनल से बाहर हो सकते हैं यश धुल

नई दिल्ली । नॉर्थ जोन के टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज यश धुल हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण साउथ जोन के खिलाफ होने वाले दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइल मुकाबले को मिस कर सकते हैं। यह मुकाबला रविवार से बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) मैदान पर खेला जाना है। यश धुल की जगह पर सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान को मौका मिल सकता है, जो कमरान इकबाल के साथ पारी का आगाज करते हुए दिखाई दे सकते हैं। माना जा रहा है कि भारत की अंडर-19 टीम के पूर्व कप्तान उदय सहारन को धुल की जगह टीम में बुलाया गया है। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने शनिवार को %आईएएनएस% को बताया, हालांकि वह आज ट्रेनिंग कर रहे थे, लेकिन ग्रेड-2 हैमस्ट्रिंग चोट की आशंका के कारण यश धुल सेमीफाइनल मैच से बाहर हो सकते हैं। माना जा रहा है कि उनकी जगह उदय सहारन टीम में आ सकते हैं। इसका मतलब है कि रविवार से शुरू होने वाले मैच में सनत सांगवान के खेलने की संभावना अधिक है।

धुल की हैमस्ट्रिंग चोट वेस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में विवादास्पद चयन फैसले के ठीक बाद आई है। उस मैच में नॉर्थ जोन के कोच अजय शर्मा और सरनदीप सिंह ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सांगवान को हटाकर धुल को मौका दिया था, जिन्होंने 2022 पुरुष अंडर 19 वर्ल्ड कप में भारत को जीत दिलाई थी।

धुल को मौका देने पर कई तरह के सवाल खड़े किए गए थे। वह 2025-26 के रणजी सीजन में सिर्फ 381 रन ही बना सके थे। उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारा गया था, जबकि वह उस भूमिका के स्पेशलिस्ट नहीं हैं। वेस्ट जोन के तेज गेंदबाजों के खिलाफ धुल संघर्ष करते हुए भी दिखाई दिए थे और वह पहली पारी में 9 और दूसरी में बिना खाता खोले आउट हुए थे। इस कारण टीम के फैसले की खूब आलोचना हुई थी।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने पर क्या बोले भारतीय टीम के हेड कोच अमोल मजूमदार?

दुबई। महिला एशिया कप 2026 में रविवार का दिन क्रिकेट फैंस के लिए रोमांचक होने वाला है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारतीय महिला टीम और थाइलैंड के बीच मुकाबला होने वाला है। हालांकि, टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का इंतजार है। दोनों देशों के बीच मुकाबला 5 सितंबर को होना है। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से आपसी रिश्ते सहज नहीं हैं। अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद क्रिकेट के मैदान पर भी दोनों देशों के बीच दूरियां साफ दिखी हैं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दोनों देशों के कप्तान और टीम (पुरुष और महिला) एक दूसरे के साथ हाथ नहीं मिलाते। एशिया कप 2026 में क्या यह सिलसिला कायम रहेगा या टूटेगा। इसे लेकर फैंस के मन में सवाल है।

ज्योतिष चमत्कार (31 अगस्त 2026)

कल्याण

सोम	7	8	9	0
	75	81	95	01
मंगल	7	8	9	0
	74	82	93	02
बुध	1	8	9	0
	10	84	92	03
गुरू	1	2	9	0
	19	26	91	04
शुक्र	1	2	3	0
	18	28	39	05
शनि	1	2	3	4
	17	29	37	46
अंकों का बादशाह	9			
सप्ताह का वरदान	8			
सप्ताह में अचूक	2	3	4	7
स्पेशल	02	63	54	17

राजधानी नाईट

सोम	2	3	4	5
	23	35	41	54
मंगल	2	3	4	5
	24	34	42	53
बुध	3	4	5	6
	32	43	52	67
गुरू	4	5	6	7
	45	51	68	79
शुक्र	5	6	7	8
	50	69	78	86
अंकों का बादशाह	0			
सप्ताह का वरदान	7			
सप्ताह में अचूक	1	2	5	6
स्पेशल	91	82	45	36

सप्ताह में देखें (कल्याण)

1	12	13	14	15
2	21	23	24	25
3	31	32	34	35
4	41	42	43	45
5	51	52	53	54
6	67	68	69	60
7	76	78	79	70
8	86	87	89	80
9	96	97	98	90
0	06	07	08	09

सप्ताह में देखें (राजधानी नाईट)

1	17	18	19	10
2	26	28	29	20
3	36	37	39	30
4	46	47	48	40
5	56	57	58	59
6	62	63	64	65
7	71	73	74	75
8	81	82	84	85
9	91	92	93	95
0	01	02	03	04

अंक आपके पत्ते हमारे

1	2	3	4	5	6	7	8	9	0
128	138	148	149	140	123	160	134	234	127
245	129	238	130	230	150	250	233	379	136
489	237	490	239	357	259	278	279	225	280
290	570	670	680	456	349	458	260	270	479
344	228	355	789	339	790	449	125	126	677

बीते चार सप्ताह के रिकार्ड

कल्याण

99	65	66	89	59	67
26	81	38	37	26	XX
33	20	73	88	99	31
07	17	33	92	32	50

राजधानी

90	85	42	09	05
99	53	70	39	76
60	73	82	23	77
96	23	42	98	41

जनवरी 2025 से सितम्बर 2026 तक के रूके जोड़भाव-पेनल

कल्याण 2024-25 -22-86
2026-10-22-29-40-41-43-44-47-60-61-84-85-86-87-05-09
1-777 2-499-444-3-166-4-400-888 5-122 -799-555, 6-466-222 7- 999 8-440-666 9-333 0-118-000

राजधानी नाईट 2024- -88 2025- -24-49-88-
2026-10-13-14-17-24-26-31-32-40-44-49-51-54-57-61-72-74-75-88-91-94-07-00
1-146-777, 2-660-444,3-166 -111, 4-112-888, 5-366-447-555 6-222, 7-700-999, 8-288-666, 9-117- 333, 0-668-000

चेतावनी :- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

'सरकार पर लोगों का भरोसा लगातार घट रहा',....

कि अगर कोई हिंदू यह सोचता है कि भारत में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रहेगा। दीपके ने कहा कि बीजेपी के लोगों को मोहन भागवत की बात सुननी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि 12 साल सत्ता में रहने और कई सरकारी एजेंसियों के हाथ में होने के बाद बीजेपी को कहीं न कहीं लगने लगा है कि वह आरएसएस से भी बड़ी हो गई है। दिपके ने कहा कि मोहन भागवत पहले प्रदर्शन कर रहे जेन-जी युवाओं को देश विरोधी नहीं कहने की बात कह चुके हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के 'दिमागी नक्सल' वाले बयान का जिक्र करते हुए कहा कि एक तरफ भागवत समावेशी सोच और बच्चों का अपमान नहीं करने की बात कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रधानमंत्री ऐसे शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने बीजेपी से अपील करते हुए कहा कि अगर उनकी बात नहीं सुनते हैं तो कम से कम अपने मार्गदर्शक मोहन भागवत की बात सुनें। उन्होंने कहा कि बीजेपी के सत्ता में आने में आरएसएस की भूमिका रही है।

नेपाल के लिए संकटमोचक बना भारत, बड़े राहत....

जबकि और पुलों के उपकरण व तकनीकी दल रविवार को पहुंचे हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत इस समय मानवीय सहायता, चिकित्सा मदद और बचाव सहयोग पर केंद्रित है। अलग वित्तीय पैकेज की घोषणा अभी नहीं की गई है। नुकसान का पैमाना, पुनर्निर्माण की जरूरत और काठमांडू की मांग साफ होने के बाद ही अगला कदम तय होगा। कई भारतीय नागरिक भी प्रभावित हुए हैं, जिनके बचाव और पहचान का काम जारी है। सरकारी सूत्रों के अनुसार जरूरत पड़ी तो भारत पुनर्वास और बुनियादी ढांचे की बहाली के लिए बड़ा पैकेज भी दे सकता है। वर्ष 2015 के भूकंप के समय भी भारत नेपाल का सबसे बड़ा मददगार बना था। तब तत्काल राहत के साथ बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण सहायता दी गई थी। अधिकारियों का कहना है कि इस बार भी पड़ोसी पहले सिद्धांत के तहत भारत मदद जारी रखेगा।

पीएम मोदी ने युवाओं को नशे से दूर रहने की....

जागरूकता फैला रहे हैं और पीड़ितों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। इसके साथ ही पीएम मोदी ने अगस्त के महीने का जिक्र करते हुए

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कहा कि यह महीना देशवासियों के दिलों में देशभक्ति की भावना को और प्रगाढ़ करता है। इस दौरान नेशनल हैंडलूम डे, स्वतंत्रता दिवस, नेशनल स्पेस डे, 'भारत छोड़ो आंदोलन' की वर्षगांठ और 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' जैसे कई महत्वपूर्ण अवसर आते हैं। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान ने इस भावना को और अधिक मजबूत किया है। इस वर्ष 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ और वैश्विक स्तर पर 'सूर्यपथ तिरंगा' पहल ने इस उत्सव को और भी खास बना दिया है।

पीएम स्वनिधि योजना, स्वच्छता अभियान और 'वोकल फॉर लोकल' पर जोर : प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तिकरण का जिक्र करते हुए पीएम स्वनिधि योजना के बारे में बताया कि इस योजना के माध्यम से देश भर में 35 लाख से अधिक महिलाओं ने अपने कारोबार को विस्तार दिया है। जब एक महिला का व्यवसाय आगे बढ़ता है, तो उसके पूरे परिवार का भविष्य भी संवरता है। इसके अलावा उन्होंने स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करते हुए उत्तर प्रदेश के 'क्लीन-अप पटवाई' युवाओं द्वारा तालाबों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई के सराहनीय प्रयासों का उल्लेख किया। अमरनाथ यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कठिन मार्गों पर दिन-रात सेवा करने वाले हजारों स्वच्छता कर्मियों के साथ इस बार एक अनोखा प्रयोग किया गया। यात्रा के दौरान घोड़ों और खच्चरों के गोबर से बायोगैस बनाई गई और इस स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग करके 'स्वच्छ ज्योत' जलाई गई। अंत में, प्रधानमंत्री ने आगामी त्योहारों के सीजन को ध्यान में रखते हुए 'वोकल फॉर लोकल' का संदेश दिया और लोगों से देश में बने उत्पादों को खरीदने तथा देश को 'आत्मनिर्भर' बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने आगामी 3 सितंबर को अपनी जन्मशती मना रहे महान अभिनेता स्वर्गीय उत्तम कुमार को भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पीएम मोदी को मिला उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च....

1 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। इसके अलावा, बीते कुछ वर्षों की तुलना में दोनों देशों के बीच संयुक्त उद्यमों में भी सात गुना वृद्धि हुई है। दोनों देशों के बीच आवाजाही और यात्रा को आसान बनाया गया है। राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने बताया, वर्तमान में भारत और उज्बेकिस्तान को जोड़ने वाली प्रति सप्ताह 14 सीधी उड़ानें संचालित हो रही हैं।

'भारत में मुस्लिम नहीं होने चाहिए, ऐसा सोचना...

है, इसलिए पूरी मानवता एक है। उन्होंने कहा कि सत्य तो एक ही है, लेकिन अलग-अलग लोग और परिस्थितियां उसे अलग-अलग तरीकों से बताते और समझाते हैं। उन्होंने कहा, आज दुनिया में कई धर्म हैं और उनकी पहचान काफी हद तक उनके रीति-रिवाजों से होती है। किसी धार्मिक अनुशासन का पालन करने और उस रास्ते को ईश्वर तक पहुंचने का माध्यम मानने के लिए इन रीति-रिवाजों का अनुशासन भी जरूरी है।

'समाज शिक्षित नहीं होगा तो भटकाव आ जाएगा' : आरएसएस प्रमुख ने कहा कि समाज को लगातार सही दिशा और शिक्षा देना जरूरी है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो धीरे-धीरे समाज में भटकाव और गलत धारणाएं पैदा हो सकती हैं। उन्होंने कहा, अगर हम समाज को लगातार शिक्षित नहीं करते रहेंगे तो उसमें भटकाव आने लगता है। इतिहास के दौरान किसी समय ऐसा हुआ, लेकिन मैं यह नहीं बता सकता कि वह समय कौन सा था। इसके बाद हमारा समाज और देश विदेशी आक्रमणों का निशाना बना और बहुत सी चीजें हमसे छिन गईं।

इस्तीफा : आईएएस दिव्या मित्तल ने 13 साल की....

सुकून रहा। लोगों के संघर्षों में साथ चलते हुए उन्होंने सीखा कि हर सरकारी फाइल के पीछे एक व्यक्ति होता है और उसकी गरिमा बनाए रखना ही न्याय है।

मूर्ख थी जो सोचा था कि कुछ देने आई हूं : अपने संदेश में उन्होंने कहा कि शुरुआत में उन्हें लगता था कि वह समाज को कुछ देने आई हैं, लेकिन बाद में समझ आया कि सबसे ज्यादा उन्होंने खुद पाया। लोगों ने उनकी खुशी में उनसे ज्यादा खुशी मनाई और जब वह खुद थकी या टूटी थीं, तब भी लोगों ने उन्हें उसी विश्वास से देखा। इसी विश्वास ने उन्हें आगे बढ़ते रहने की हिम्मत दी। उन्होंने अपनी सफलता में साथ देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और सहयोगियों का भी आभार जताया। कहा कि इन लोगों ने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया और हर परिस्थिति में साथ डटे रहे।

बालक संप्रेक्षण गृह में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित, जज अमित जिन्दल ने दी भारतीय न्याय संहिता के कड़े प्रावधानों की जानकारी

राजनांदगांव (दावा)। स्थानीय बालक संप्रेक्षण गृह में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (श्रम न्यायालय) राजनांदगांव अमित जिन्दल ने बच्चों व उपस्थित जनों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 के तहत महिला सुरक्षा और विभिन्न अपराधों से संबंधित कानूनी प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी।

न्यायाधीश अमित जिन्दल ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता 2023 में महिलाओं के प्रति अपराधों की रोकथाम के लिए बेहद कड़े व विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने विभिन्न धाराओं की जानकारी देते हुए बताया कि धारा 74ः किसी महिला के साथ छेड़खानी करना दंडनीय अपराध है। धारा 75ः महिला के साथ अश्लील बातचीत या टिप्पणी करना अपराध की श्रेणी में आता है। धारा 76ः महिला को निवस्त्र करने या विवश करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। धारा 77ः किसी महिला के व्यक्तिगत (प्राइवेट) पलों को देखना या रिकॉर्ड करना अपराध है। धारा 78ः किसी महिला का पीछा (स्टॉकिंग) करना दंडनीय है। धारा 79ः महिला की उपस्थिति में अश्लील इशारेबाजी करना, सीटी बजाना या अभद्र हरकत करना गैरकानूनी है।

○ महिला सुरक्षा को लेकर बीएनएस में सख्त कानून : छेड़खानी, पीछा करने और अश्लील इशारों पर होगी कड़ी सजा

गंभीर अपराधों पर मृत्युदंड तक की सजा

न्यायाधीश श्री जिन्दल ने गंभीर अपराधों में निर्धारित सजाओं की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि 16 वर्ष से कम आयु की पीड़िता के साथ दुष्कर्म के मामले में बीएनएस की धारा 65(1) के तहत न्यूनतम 20 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक का दंड दिया जा सकता है। वहीं, 12 वर्ष से कम आयु की बालिका के साथ दुष्कर्म पर धारा 65(2) के तहत कम से कम 20 वर्ष के कठोर कारावास से लेकर आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) के मामलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि किसी भी आयु की महिला के साथ गैंगरेप होने पर धारा 70(1) के तहत न्यूनतम 20 वर्ष से आजीवन कारावास तथा 18 वर्ष से कम आयु की पीड़िता के साथ गैंगरेप के मामले में धारा 70(2) के तहत न्यूनतम 20 वर्ष के कारावास से लेकर मृत्युदंड (फांसी) तक की कठोर सजा का स्पष्ट प्रावधान किया गया है। शिविर में कानून के पालन और विधिक अधिकारों के प्रति सजग रहने का संदेश दिया गया।

बोर खनन की मांग, पेयजल समस्या दूर करने प्रशासन से सविता शोरी जिला पंचायत सदस्य ने लगाई गुहार

3मोहला (दावा)। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-78 मोहला-मानपुर के विभिन्न ग्रामों में गर्मी के दौरान पेयजल की कमी को देखते हुए 44 गांवों में तत्काल बोर खनन कराने की मांग जिला पंचायत सदस्य सविता शोरी द्वारा की गई है।

इस संबंध में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगर प्रशासन एवं विकास तथा युवा कल्याण विभाग, रायपुर अटल नगर को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई का आग्रह किया गया है। पत्र में कहा गया है कि ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की मांग तथा पेयजल संकट को ध्यान में रखते हुए चिन्हित ग्रामों में प्राथमिकता के आधार पर बोर खनन कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से राहत मिल सके। बोर खनन के लिए चिन्हित स्थानों में भगवानटोला (शिवधाम के पास), मुंगेशीटोला, भर्रीटोला (शीतला मंदिर के पास), नेतामटोला (यादवपारा), अरजकुण्ड, गोपालिनचुआ, घोरदा वार्ड क्रमांक 11, गौलीटोला, निचेकोहड़ा, डिवाल गुडरा, पहिया, लाताकोड़ो, रेंगाकटेरा वार्ड क्रमांक 01, झिटिया, कोरचाटोला, नवाटोला, रानीतलाब पाटनटोला, वंदना, पाटनखास, अमृत सरोवर ग्राम भुरकुंडी, खुनेरा, हिड़कटोला (मोचीपारा), साल्हे, कोन्डे वार्ड क्रमांक 12, बोरिया ठेकेदारी, मिचगांव, ठाकुरटोला खड़गांव, एटेगर्रदा, घोटिया (देहारीपारा), खरदीबाजार, कुम्हारी (पिस्दापारा), भंडारीटोला-भर्रीटोला, वाको, सरोली, हथरा (लोहारपारा), डोकला (स्कूल), फुलकोड़ो, कुदुरघोड़ा वार्ड क्रमांक 10, तुमड़ीकसा, कातुलवाही, परसाटोला, सुअरबोड़, ततोड़ा और परसघाट शामिल हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पेयजल की गंभीर समस्या को देखते हुए इन स्थानों पर जल्द से जल्द बोर खनन की स्वीकृति देकर कार्य प्रारंभ कराया जाए।

राजाखुज्जी के सरस्वती शिशु मंदिर में हर्षोल्लास से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

खुज्जी (दावा)। डोंगरगांव तहसील के ग्राम राजाखुज्जी स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में भाई-बहन के पवित्र स्नेह, प्रेम और विश्वास को समर्पित विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

रक्षाबंधन के अवसर पर विद्यालय की बालिकाओं ने अपनी कक्षाओं में अध्ययनरत भैया विद्यार्थियों की कलाई पर प्रेमपूर्वक राखी बांधी। राखी बांधने के बाद बालिकाओं ने अपने भाइयों का मुंह मीठा कराया और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ नजर आया। विद्यालय परिसर में भाई-बहन के स्नेह से जुड़ा यह दृश्य सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को रक्षाबंधन पर्व की भारतीय संस्कृति एवं परंपरा में महत्ता से भी परिचित कराया गया।

बच्चों को बताया गया कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने और मिठाई खिलाने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास, सम्मान और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने वाला पर्व है। शिक्षकों ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पर्व-त्योहारों का विशेष महत्व है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से बच्चों में संस्कार, आपसी सद्भाव, भाईचारा और पारिवारिक मूल्यों की भावना विकसित होती है। विद्यालय में रक्षाबंधन का आयोजन इसी उद्देश्य से किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का वातावरण पूरी तरह उत्सवी नजर आया। बालिकाओं द्वारा भैया विद्यार्थियों को राखी बांधने और मिठाई खिलाने के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन ने विद्यार्थियों को भाई-बहन के रिश्ते की गरिमा और भारतीय संस्कारों से जोड़ने का सार्थक संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय परिवार का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए निगम आयुक्त मरकाम लगातार प्रयासरत

राजनांदगांव (दावा)। शहर की स्वास्थ्य सेवाओ में गुणात्मक सुधार लाने निगम आयुक्त जी.आर. मरकाम द्वारा प्रतिदिन सुबह शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई निरीक्षण कर सफाई में सुधार की दिशा में कार्य करने कर्मचारियो को प्रेरित कर रहे है। स्वयं उपस्थित रहकर सफाई कराने, झिल्ली पन्नी उठवाने से कर्मचारी उत्साह से काम रह रहे है, जिसका परिणाम भी दिख रहा है। साथ ही मवेशियो को दुर्घटना से बचाने निगम का अमला उनके नेतृत्व में चैक चैराहे, जी.ई.रोड, से मवेशी हटाकर रेडियम पट्टी भी लगा रहे है।

प्रतिदिन सुबह सफाई निरीक्षण एवं दुर्घटना से बचाने मवेशी धरपकड अभियान की सतत मानिटरिंग

आज के सफाई निरीक्षण में आयुक्त श्री मरकाम जी.ई.रोड सहित प्रमुख मार्गो में सफाई का जायजा लेकर रोड के दोनो किनारे तक सफाई करवा झिल्ली पन्नी उठवाए। इस दौरान उनके द्वारा नागरिको, होटल व अन्य व्यवसायियो तथा ठेला खोमचा वालो को साफ सफाई रखने झिल्ली पन्नी का उपयोग नही करने, डस्टबिन का उपयोग करने, तथा रोड या नाली के उपर अतिक्रमण नही करने समझाईस भी दिया जा रहा हैं। उन्होने सफाई अमला से कहा है कि निचली बस्ती तथा पानी भरान क्षेत्र में साफ सफाई कर विशेष ध्यान रखे, कच्ची नाली खोद कर जल निकासी करावे। मौसमी बीमारी से बचने साफ सफाई रखने, लोगो को समझाईस देवे। आज उन्होंने गौरी नगर अण्डर ब्रिज के पास बारिश का पानी भरने पर तकनीकि अधिकारियो के साथ स्थल निरीक्षण कर रेल्वे के साथ मिलकर पानी निकासी के निर्देश दिए। सफाई के साथ साथ आयुक्त श्री मरकाम दुर्घटना से बचाने निगम के मवेशी धरपकड अभियान अमला द्वारा चैक चैराहो में बैठे व विचरण करते मवेशियो को उठाया जा रहा है, उसकी निरंतर मानिटरिंग कर रहे है। कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार एवं आयुक्त के नेतृत्व में निगम का अमला प्रतिदिन मवेशी पकड़ काजी हाउस में छोड रहे है और मवेशियो के गले में रेडियम पट्टी लगा उनके सिंग में रेडियम टेप चिपका रहे है। आयुक्त ने कॉजी हाउस का भी निरीक्षण कर मवेशियो को दिये जाने वाले चारा पानी के अलावा गंज मण्डी से बचे फल सब्जी लाकर खिलाने के संबंध मे जानकारी लेकर दाना पानी सहित अन्य आवश्यक समाग्री का पर्याप्त भण्डारण रखने निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीमार मवेशियो का ईलाज करावे तथा समय समय पर टीका लगवावे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर चिल्हाटी कॉलेज में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

अंबागढ़ चौकी (दावा)। नवीन शासकीय महाविद्यालय चिल्हाटी में 29 अगस्त को शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य शांतिबाई त्रिपुरे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ. के.आर. रावटे ने की। जेबीएस अध्यक्ष एवं वरिष्ठ जनपद पंचायत सदस्य सुशीला गावरे, जनपद पंचायत सदस्य अंबागढ़ चौकी श्यामलाल चंद्रवंशी तथा सरपंच डिंपल मंडावी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों के जुम्बा एवं योगाभ्यास से हुई। इसके बाद 100 मीटर दौड़, गोला फेंक, गोली-चम्मच दौड़, रस्साकशी और कबड्डी सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों में भी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। आयोजन शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन ''खेलेगा भारत, जीतेगा भारत'' के संदेश के साथ हुआ।

पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष यशवंत दीवान का सिटी कोतवाली आगमन

राजनांदगांव (दावा)। 27 अगस्त गुरुवार को दोपहर 12 बजे बस स्टैंड सिटी कोतवाली पेंशनर्स संगठन के विवाद संबंधी कार्य से पहुंचे थे, विगत कुछ माह से राजनांदगांव में दो संगठन कार्य कर रहे हैं, लेकिन पेंशनरों के सहयोग से एवं रायपुर रजिस्ट्रार के आदेशानुसार पुनः चुनाव कराकर समस्या का समाधान किया गया, जिसमें प्रांतीय अध्यक्ष के लिए चुनाव किया गया जिसमें राजनांदगांव के के.एल. टांडेकर ने भी चुनाव लड़ा और वे हार गए।

हारने के बाद आज लगभग डेढ़ वर्ष हो गए, न ही पेंशनर्स भवन की चाबी दी है और न ही संगठन को कोई हिसाब-किताब। इसी तारतम्य में वे आज सिटी कोतवाली में अपना बयान संगठन के पदाधिकारियों के साथ प्रस्तुत किए हैं। आज भी पेंशनर क्रमांक 1844 का उनके द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा है। इसके पूर्व भी रजिस्ट्रार रायपुर एवं कलेक्टर राजनांदगांव को भी पूर्व में लिखित शिकायत की गई थी, आज दिनांक 27 अगस्त तक मुझे कार्यभार नहीं दिया गया है, यह बयान आज यशवंत दीवान प्रांताध्यक्ष छत्तीसगढ़ पेंशनर संगठन द्वारा दिया गया एवं त्वरित कार्रवाई हेतु आग्रह किया गया है। दीवान के साथ राजनांदगांव के पदाधिकारी निसार अहमद (उपप्रांताध्यक्ष), पतराम साव (नगर अध्यक्ष), हसीना खान, शैलेंद्र सिंह, पुष्पा सावरकर, राकेश श्रीवास्तव एवं रमेश भोजवानी, पिल्ले, बांकेसिंह ठाकुर आदि अनेक पेंशनर्स उपस्थित थे।

आईआईएसईआर की कार्यशाला में जिले के चार शिक्षकों ने लिया प्रशिक्षण

अंबागढ़ चौकी (दावा)। पीएमश्री योजना अंतर्गत भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) पुणे में आयोजित चार दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला में छत्तीसगढ़ के 100 शिक्षकों के साथ मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के चार शिक्षकों ने भाग लिया।

जिले से युवराज साहू (प्रधान पाठक, पीएमश्री प्राथमिक शाला अंबागढ़ चौकी), कुमार सिंह डिल्लो (प्रधान पाठक, पीएमश्री प्राथमिक शाला मोंगरा), भंवर सिंह साहू (प्रधान पाठक, प्राथमिक शाला आलकन्हार) एवं आशा सिन्हा (सहायक शिक्षक, प्राथमिक शाला हथरा) शामिल हुए। कार्यशाला में पद्मश्री अरविंद गुप्ता ने शिक्षकों को बालमनोविज्ञान आधारित शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और नवाचार पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कबाड़ से वैज्ञानिक खिलौने बनाने की गतिविधियों का प्रदर्शन करते हुए बच्चों में जिज्ञासा एवं रचनात्मकता विकसित करने पर जोर दिया। प्रशिक्षण में गतिविधि आधारित शिक्षण, गणित एवं विज्ञान को रोचक तरीके से समझाने, कहानी के माध्यम से शिक्षण तथा कंप्यूटेशनल थिंकिंग सहित विभिन्न आधुनिक शिक्षण तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। शिक्षकों ने विज्ञान केंद्र पिंपरी-चिंचवड़ एवं आईआईएसईआर पुणे के कल्पगृह का भ्रमण कर हैंड्स-ऑन गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान की अवधारणाओं को समझा।

खेल सुविधाओं को लेकर कलेक्टर ने बैडमिंटन कोर्ट और वॉक-वे के विकास के दिए निर्देश

मोहला (दावा)। जिले में खेल, फिटनेस और शारीरिक व्यायाम गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम ने जिला मुख्यालय मोहला के विभिन्न स्थलों का सघन निरीक्षण किया और खेल अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने भोजटोला रोड स्थित कृषि कार्यालय एवं गोदाम परिसर का जायजा लिया। उन्होंने यहां सर्वसुविधायुक्त जिम स्थापित करने के लिए उपलब्ध स्थान का निरीक्षण किया। इसके साथ ही परिसर से लगे तालाब के सौंदर्यीकरण तथा नागरिकों व खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित व सुव्यवस्थित वॉकिंग ट्रैक विकसित करने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

दशहरा मैदान व वन-धन केंद्र में खेल सुविधाएं

इसके उपरांत कलेक्टर ने दशहरा मैदान स्थित सामुदायिक भवन का निरीक्षण कर इसे इनडोर खेल गतिविधियों के अनुकूल उपयोग में लाने की संभावनाएं तलाशीं। वहीं वन-धन केंद्र में स्थित बैडमिंटन कोर्ट को निर्धारित खेल मानकों के अनुरूप विकसित करने तथा खिलाड़ियों की सुविधा के लिए स्वच्छ वॉशरूम व अन्य बुनियादी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने को कहा।

स्वस्थ जीवनशैली और प्रतिभा निखारने पर जोर

कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम ने कहा कि ग्रामीण व शहरी युवाओं को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, जिससे वे अपनी खेल प्रतिभा को निखारने के साथ स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें। निरीक्षण के दौरान एसडीएम मोहला हेमेंद्र भूआर्य, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की कार्यपालन अभियंता रितु खरे सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

योजनाओं से मिला संबल, आरती टाण्डेकर ने संजोई बेटी के स्वस्थ भविष्य की उम्मीद

राजनांदगांव (दावा)। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं गर्भवती एवं शिशुवती माताओं तथा नवजात बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और पोषण के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन रही हैं। डोंगरगढ़ विकासखंड के ग्राम ढारा निवासी श्रीमती आरती टाण्डेकर को प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं मिनीमाता महतारी जतन योजना का लाभ मिलने से उन्हें आर्थिक संबल मिला है। दोनों योजनाओं से प्राप्त कुल 25 हजार रूपए की राशि का उपयोग उन्होंने अपनी और अपनी बेटी के पोषण एवं आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में किया। इससे मां और बेटी दोनों के स्वास्थ्य एवं पोषण को बेहतर बनाने में मदद मिली।

बेटी के जन्म पर मिली योजनाओं की सहायता, आरती के परिवार में आई खुशियां

श्रीमती आरती टाण्डेकर ने अपनी प्रथम गर्भावस्था के दौरान पुत्री पूर्वी टाण्डेकर को जन्म दिया। बेटी के जन्म के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं मिनीमाता महतारी जतन योजना के लिए आवेदन किया। पात्रता के अनुसार उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से 5 हजार रूपए तथा मिनीमाता महतारी जतन योजना से 20 हजार रूपए की सहयोग राशि प्राप्त हुई। श्रीमती आरती ने बताया कि योजनाओं से मिली राशि उनके परिवार के लिए काफी उपयोगी रही। उन्होंने इस राशि का उपयोग अपने एवं अपनी बेटी के पोषण तथा आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में किया। उन्होंने शासन की इन योजनाओं के प्रति खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आर्थिक सहायता मिलने से बेटी की देखभाल और पोषण में काफी मदद मिली है।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना एवं मिनीमाता महतारी जतन योजना से मिला 25 हजार रूपए का लाभ

एक वर्ष पहले कराया था श्रम विभाग में पंजीयन

श्रीमती आरती ने बताया कि उन्होंने लगभग एक वर्ष पहले श्रम विभाग में अपना पंजीयन कराया था, जिसके तहत मिनीमाता महतारी जतन योजना का लाभ मिला है। बेटी के जन्म के बाद उन्हें इस योजना के तहत 20 हजार रूपए की सहयोग राशि प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि समय पर मिली यह सहायता उनके परिवार के लिए उपयोगी साबित हुई और इससे बेटी के पोषण एवं देखभाल में मदद मिली।

योजनाओं से मिला आर्थिक संबल, स्वस्थ भविष्य की ओर बढ़ रही पूर्वी

श्रीमती आरती टाण्डेकर ने कहा कि शासन की योजनाएं पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। योजनाओं से मिली आर्थिक सहायता ने आरती को मातृत्व के महत्वपूर्ण दौर में आर्थिक संबल प्रदान किया। उन्होंने इस सहायता का उपयोग अपनी और अपनी बेटी पूर्वी के पोषण एवं देखभाल में किया। शासन की इन योजनाओं से मिली मदद से आरती अपनी बेटी के स्वस्थ एवं सुपोषित भविष्य की ओर कदम बढ़ा रही हैं।

गठुला-भेड़ीकला की सड़क बदहाल, ग्रामीणों ने सड़क पर आकर किया चक्काजाम, जाम से अफरा-तफरी की रही स्थिति

ग्रामीणों की समस्याओं पर महापौर मधुसूदन यादव का त्वरित आश्वासन : 3 दिन में भरेंगे गड्ढे, बारिश के बाद शुरू होगा पक्की सड़क का निर्माण
भेड़ीकला स्कूल में शिक्षकों की कमी भी होगी दूर, महापौर खुद करेंगे स्कूल का दौरा
तुमड़ीलेवा, भाटागांव और भेड़ीकला के ग्रामीणों से गठुला पहुंचकर की सीधी चर्चा

राजनांदगांव (दावा)। पिछले छह महिने से गठुला भेड़ीकला के बदतर हो चुके जर्जर मार्ग से परेशान ग्रामवासियों ने आज शासन-प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल ही दिया और बड़ी संख्या में गठुला मेंन रोड में आकर चक्का जाम कर दिया। जर्जर सड़क को लेकर चक्का जाम कर रहे ग्रामीणों के साथ बड़ी संख्या में स्कूल पढ़ने वाली छात्राएं भी थी जिनके द्वारा प्रशासन के खिलाफ नारे लगाते हुए अपने गुस्से का इजहार किया। इस दौरान ग्राम वासियों द्वारा लाल झंडे भी लहराए गए। वहीं स्थानीय प्रशासन के विरोध में बेशरम के फूल भी सौंपे गए।

तुमड़ीलेवा, भाटागांव एवं भेड़ीकला के ग्रामीणों द्वारा चक्काजाम किए जाने की सूचना मिलते ही महापौर मधुसूदन यादव तत्काल गठूला पहुंचे। वहां उन्होंने आंदोलनरत ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी बुनियादी समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही त्वरित समाधान का ठोस भरोसा दिलाया। ग्रामीणों की सडक् संबंधी आवागमन की दिक्कतों को देखते हुए महापौर ने उपस्थित संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि तीन दिनों के भीतर सडक् के सभी गड्ढों का भराव व मरम्मत कार्य अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण की प्रक्रिया को गति दी जाएगी और बारिश का मौसम समाप्त होते ही स्थायी सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

स्कूल में शिक्षकों की पदस्थापना का भरोसा

वार्ता के दौरान भेड़ीकला स्कूल में शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठने पर महापौर ने संवेदनशील रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि वे स्वयं शीघ्र ही विद्यालय पहुंचकर छात्र-छात्राओं व स्टाफ से मुलाकात करेंगे तथा शिक्षा विभाग से समन्वय बनाकर जल्द से जल्द आवश्यक शिक्षकों की पदस्थापना सुनिश्चित कराएंगे। महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि ग्रामीण अंचलों की बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और जनसमस्याओं का समयबद्ध निराकरण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। बता दें कि दैनिक 'दावा' द्वारा आज से दो माह पूर्व गठुला भेडीकला जर्जर सड़क और उससे हो रही ग्राम वासियों को परेशानी के संबंध में प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी। इससे बाद भी प्रधानमंत्री सड़क योजना के अधिकारी चूप्पी साधे बैठे रहे। जब मामला सिर से होकर गुजरता गया और बदहाल सड़क पर हादसे होने लगे तब ग्राम वासी सड़क पर आकर आंदोलन करने बाध्य हुए।

जर्जर सड़क के कारण छात्राओं को स्कूल जाने हो रही परेशानी

ग्रामवासियों की मानें तो गठुला से भेंड़ीकला की बदहाल सड़क के कारण छात्राओं का स्कूल जाना मुश्किल हो गया है। जगह-जगह उभर आए बड़े-बड़े गड्ढों में गिरकर वह चोटिल हो जाती है। उनकी सायकिलें क्षतिग्रस्त हो जाती है। यहां तक कि वे इस कारण ट्यूशन पढ़ने नहीं जा पा रही। गठुला-भेड़ीकला के जर्जर व बदहाल सड़क के कारण एक व्यक्ति सड़क हादसे का शिकार हो कर मौत की मुंह में समा चुका है। तब भी ग्रामीणो ने सड़क निर्माण को लेकर चक्का जाम किया था। इसके बाद भी प्रशासन व संबंधित विभाग आंखें मूंदे बैठा रहा। गठुला ग्राम विकास समिति के लोगों का कहना है कि सड़क को 6 माह से खुदा हुआ छोड़ दिया गया है। इस संबंध में जन दर्शन में आवेदन भी दिए थे। उससे बाद रहा डस्ट लाकर डाल दिया गया था जो वाहनों के चक्के तले रौंदा कल धूल का गुबार बन कर उड़ने लगा। इससे आने जाने वालों को खासी परेशानी होने लगी। बारिश आने पर गड्ढों में पानी भर जाने से आवागमन काफी मुश्किल हो गया है।

गड्ढे में गिरकर सायकल सवार की हुई थी मौत

ग्राम के ईश्वर लाल साहू, सिद्धार्थ देवांगन,श्रवण आदि ने बताया कि गठुला भेड़ीकला के जर्जर सड़क में दोपहिया वाहन चालक गड्ढों में गिरकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। इसके कारण ग्रामीण को शहर जाने पार्री नाला की ओर से घुमावदार रास्ते का सफर करना पड़ता है। इस बारे में पीएम सड़क योजना के ठेकेदार विकास कंस्ट्रक्शन को शिकायत किए जाने पर वे डामर के रेट बढ़ जाने का हवाला देकर चूप्पी साध गए। इससे ग्रामवासियों का गुस्सा और भी बढ़ गया।यह गुस्सा आज बढ़कर सड़क पर आ गया और ग्राम के महिला पुरूष छात्र -छात्राए सभी सड़क पर आकर चक्का किया। इससे गठुला मेन सड़क में तीन घंटे तक अफरातफरी का आलम रहा।

महापौर के आश्वासन पर माने ग्रामवासी

ग्रामवासियों द्वारा गठुला सड़क पर आकर चक्काजाम की जानकारी होते ही चौकी चिखली प्रभारी कैलाशचंद्र मरई के नेतृत्व में पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच कर यातायात व्यवस्था सुचारू करने की कोशिश की इसी बीच शहर से महापौर मधुसूदन यादव, भाजपा नेता भरत वर्मा व पूर्व जनपद अध्यक्ष सूर्यकांत भंडारी व एसडीएम गौतम पाटिल मौके पर पहुंच गए और ग्रामवासियों को समझाने का प्रयास किया। महापौर मधुसूदन यादव के द्वारा जल्द ही डामरीकरण करवाए जाने का आश्वासन दिए जाने उपरांत ग्रामवासी माने और अपना आंदोलन वापस लिया।

आज मोहड़, सिंगदाई, हल्दी एवं सिंघोला में निकलेगी बाबा महाकाल की भव्य पालकी यात्रा

हरियाली और शिवनाथ नदी के मनमोहक प्राकृतिक सौंदर्य के बीच होगा बाबा महाकाल का नगर एवं ग्राम भ्रमण

राजनांदगांव (दावा)। पवित्र सावन मास के अंतिम सोमवार 31 अगस्त को बाबा चंद्रमौलेश्वर महाकाल की भव्य पालकी यात्रा इस बार शहर से लगे ग्रामीण अंचल मोहड़, सिंगदाई, हल्दी एवं ग्राम सिंघोला में निकाली जाएगी। पालकी यात्रा को लेकर क्षेत्र के शिवभक्तों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों में विशेष उत्साह है। यात्रा का शुभारंभ सुबह 8 बजे किया जाएगा। सावन सोमवार के पावन अवसर पर बाबा महाकाल चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में अपनी प्रजा से मिलने नगर एवं ग्राम भ्रमण पर निकलेंगे। भक्तजन मार्ग में बाबा की पालकी के दर्शन एवं पूजन कर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करेंगे।

प्राकृतिक सौंदर्य के बीच होगा बाबा महाकाल का भ्रमण

इस बार की पालकी यात्रा की विशेषता इसका प्राकृतिक एवं आध्यात्मिक वातावरण रहेगा। मोहड़, सिंगदाई, हल्दी और सिंघोला के मार्ग से गुजरते हुए पालकी यात्रा के दौरान चारों ओर दिखाई देने वाली हरियाली, प्राकृतिक दृश्य और ग्रामीण परिवेश श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। यात्रा मार्ग में संस्कारधानी की जीवनदायिनी शिवनाथ नदी का मनमोहक दृश्य भी श्रद्धालुओं को आकर्षित करेगा। सावन की हरियाली और शिवनाथ नदी के शांत एवं प्राकृतिक वातावरण के बीच बाबा महाकाल की पालकी का भ्रमण धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति के अद्भुत सौंदर्य का भी अनुभव कराएगा।

भक्ति और आस्था के साथ निकलेगी पालकी

पालकी यात्रा के दौरान शिवभक्त हर-हर महादेव एवं जय श्री महाकाल के जयघोष के साथ बाबा की पालकी के साथ चलेंगे। मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा बाबा महाकाल का स्वागत, पूजन एवं आरती की जाएगी। विभिन्न स्थानों पर धर्मप्रेमी नागरिक बाबा की पालकी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। सावन मास में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व माना जाता है। ऐसे पावन अवसर पर बाबा महाकाल की पालकी यात्रा ग्रामीण अंचल के भक्तों के लिए भी आस्था और भक्ति का विशेष अवसर बनेगी।

हनुमान मंदिर बजरंग चौक में होगा बाबा का विश्राम

मोहड़, सिंगदाई, हल्दी एवं सिंघोला क्षेत्र की मां भानेश्वरी दरबार भ्रमण के पश्चात बाबा महाकाल की पालकी हनुमान मंदिर, बजरंग चौक, सिंघोला पहुंचेगी। जहां बाबा का विश्राम होगा। यहां श्रद्धालु बाबा चंद्रमौलेश्वर के दर्शन एवं पूजन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। आयोजकों ने क्षेत्र के समस्त शिवभक्तों, धर्मप्रेमी नागरिकों एवं ग्रामीणजनों से आग्रह किया है कि वे 31 अगस्त को सुबह 9 बजे पालकी यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर बाबा महाकाल की भक्ति में सहभागी बनें। सावन के अंतिम सोमवार पर हरियाली से आच्छादित ग्रामीण अंचल, शिवनाथ नदी का मनमोहक तट और बाबा महाकाल की पालकी-यह संगम इस यात्रा को विशेष और यादगार बनाने जा रहा है।

श्रीदासी श्यामप्रभु की जयंती में हुए भजनों में जमकर झूमें भक्तगण

जयंती पर्व पर हरिद्वार से आये संतजन ने गुरू महिमा को सुबह सत्संग में विस्तार से समझाया

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी शहर के श्रीश्यामकुटी के श्रीदासीश्याम मंडल द्वारा जयंती के प्रथम दिवस पर सुबह 7.30 बजे श्रीश्यामप्रभु की आरती के पश्चात सत्संग हाल में श्रीश्यामप्रभु द्वारा स्वयं लिखवाये गये ज्ञानग्रंथ के भजनों के पश्चात हरिद्वार से पधारे संतजन श्री विरात्तानंद महाराज द्वारा गुरू, शिष्य तथा पिंजरे में बंद तोते की एक सुंदर प्रसंग बताते हुए बड़े ही सुंदर ढंग से गुरू की महिमा बतायी गई। सुबह के सत्संग में ज्ञानग्रंथ के भजनों के पश्चात गुरू वंदना, श्रीदासीश्यामप्रभु के अमृतवाणी के पाठ के पश्चात श्रीदासीश्याम की धून समस्त उपस्थित भक्तजनों ने की। शक्तिधाम में हुए विशेष श्रृंगार श्रीश्यामकुटी परिवार के 3 वर्ष से 20 वर्ष के बच्चों ने अपने हाथों से की। शक्तिधाम में हुआ श्रृंगार आज का विशेष आकर्षण था। श्रीश्यामकुटी में अपने प्यारी गुरूमां के व्यासपीठ का भी बड़ा मनोहारी श्रृंगार किया गया तथा ऊपर श्रीश्यामप्रभु के मंदिर में रायपुर, नागपुर, कलकत्ता तथा मुम्बई से मगायें गये विशेष फूलों से किया गया।

रात्रि 9 बजे से श्रीश्याम के दीवानों के द्वारा जिसमें मुख्य रूप से श्याम, निखिल व राधिका शर्मा द्वारा पूरे समय भजनों से उपस्थित समस्त श्रद्धालु भक्तजनों को भावविभोर कर अनांदित कर झूमने थिरके व भाजनों पर नाचनें के लिए मजबूर कर दिया समस्त उपस्थित भक्तजन भजनों का आनंद लेते रहे। बीच-बीच में भक्तों पर इत्र, सेंट की वर्षा भी होती रही। तत्पश्चात रात्रि 12 बजे आरती और प्रसादी का वितरण किया गया। शक्तिधाम में हुये भजनों में सिर्फ और सिर्फ अपनी प्यारी सद्गुरूमां पर हुए भजनों में नाच-नाच कर उन्हें रिझाते रहे।

हरिद्वार के अखंड परमधाम से पधारे विरात्तानंद तथा स्वामी रामादेवानंद ने गुरू महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि जीवन में गुरू बनाना क्यों आवश्यक है। इसकों लेकर गुरू, शिष्य तथा पिंजरे में बंद तोते का बड़ा सुंदर प्रसंग सुनाया। गुरू क्यो बनाया जाता है, गुरू बनाने से ज्ञान होगा वैराग्य, त्याग व मुक्ति का मार्ग बताया। पारस पत्थर और ज्ञान और अज्ञानता को लेकर भी सत्संग का लाभ लेने और गुरू चरणों में समर्पण से जीवन मुक्ति का मार्ग प्रशस्तः होता है। ऐसा तत्संग में बताया गया।

विपरित मौसम में भी शहर के लोकल तथा बाहरी शहरों से आए भक्तों का अपार उत्साह देखने लायक है। सेवा के दौरान आए श्रद्धालुजन सिर्फ गुरूमां को याद कर उनकी चर्चा करते देखे गए। श्रीदासीश्याम मंडल के प्रत्येक बच्चों को यह लगता है कि उनकी प्यारी श्रीसद्गुरूमां की उन पर विशेष कृपा है तथा वह ही मां के प्रिय बच्चें है, ऐसा है मां का प्यार। शहर के अलावा प्रदेश के तथा देश के अन्य स्थानों में भी जयंती पर्व पर हुए विशेष श्रृंगार, प्रसाद की चर्चा होती है। जयंती पर्व पर समस्त भक्तों का एक ही काम होता है सेवा, सत्संग, भजन तीन दिन तक वे सिर्फ इसमें ही तन्मयता से भजनों, सेवा व प्रसाद का आनंद लेते है। श्रीश्यामकुटी परिवार में कोई दिखावा नहीं किया जाता बस उपस्थित भक्तजन अपने आनंद के लिए तथा अपनी प्यारी गुरूमां के प्यार में डूबने के लिए जयंती पर्व बड़े प्रेम व श्रद्धा से मनाते आ रहे है। देश के प्रमुख नगरों जैसे भिलाई, रायपुर, बिलासपुर, नागपुर के अलावा कलकत्ता, मुम्बई, पूना, बैंगलौर व लखनऊ, वृंदावन तथा अकोला के अलावा बहुत से गांव व शहरों से भक्तजन तीन दिन अपने परिवार सहित जयंती का आनंद लेने आते है।

श्रीश्यामकुटी परिवार द्वारा बहुत ही सुंदर एक भजनों की नयी 'मां शक्तिपद बिन्दु' का प्रकाशन भी करवाया गया है। जिसे जयंती पर्व पर श्रद्धालु भक्तजन को वितरित किया जावेगा। 'मां शक्तिपद बिन्दु' में नये भजनों व नयी गुरू वंदना की श्रृंखला होगी। आज 31 अगस्त को रामाधीन मार्ग के श्रीश्यामकुटी से शाम 6 बजे को श्रीदासीश्यामप्रभु की भव्य शोभायात्रा शहर भ्रमण के पश्चात स्टेशन पारा के शक्तिधाम जाएगी।

बारिश ने खोली सड़क की पोल, भंवरमरा की प्रमुख सड़क गड्ढों में तब्दील

राजनांदगांव (दावा)। समीपस्थ ग्राम भंवरमरा लगातार हो रही बारिश का असर शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। बारिश के चलते ग्राम भंवरमरा की प्रमुख सड़क की हालत बेहद खराब हो गई है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने से राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान सड़क पर पानी भर जाने से गड्ढे दिखाई नहीं देते। जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह मार्ग परेशानी का कारण बन गया है। लंबे समय से सड़क की स्थिति खराब होने के बावजूद संबंधित जिम्मेदारों द्वारा अब तक इस दिशा में ठोस पहल नहीं किए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत और संबंधित विभाग के जनप्रतिनिधियों से सड़क का निरीक्षण कर तत्काल गड्ढों की मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की सुध नहीं ली गई तो आने वाले दिनों में समस्या और गंभीर हो सकती है। जनप्रतिनिधियों को जनता की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कदम उठाना चाहिए। अन्यथा ग्रामीणों के आक्रोश का सामना करना पड़ सकता है।

श्री सीमेंट के विरोध से हटने का दबाव? किसान अधिकार संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष को परिवार सहित जान से मारने की धमकी

छुईखदान थाने में लिखित शिकायत दर्ज, एफआईआर और परिवार की सुरक्षा की मांग
3 से 4 दिनों में कार्रवाई न होने पर 300-400 ग्रामीणों के साथ थाने के घेराव की दी चेतावनी

खैरागढ़/छुईखदान (दावा)। क्षेत्र में प्रस्तावित श्री सीमेंट फैक्ट्री स्थापना एवं चूना पत्थर खनन परियोजना के विरोध में चल रहे किसान आंदोलन के बीच एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। किसान अधिकार संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष वीरेंद्र जंघेल ने फोन पर गाली-गलौज करने और उन्हें तथा उनके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दिए जाने का गंभीर आरोप लगाया है। इस घटना से आक्रोशित किसान अधिकार संघर्ष समिति के सदस्यों और ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में छुईखदान थाना पहुंचकर लिखित शिकायत सौंपी और त्वरित कानूनी कार्रवाई की मांग की। ग्राम विचारपुर निवासी एवं आंदोलनरत किसान अधिकार संघर्ष समिति (दनिया-अतरिया-हनईबन-उदयपुर एवं संपूर्ण परिक्षेत्र) के उपाध्यक्ष वीरेंद्र जंघेल (पिता कामता जंघेल) ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि विचारपुर निवासी राजेश जंघेल (पिता इंदरमन जंघेल) ने उनके मोबाइल पर 10 से 15 बार कॉल किया। आरोप है कि कॉल के दौरान गाली-गलौज करते हुए सीमेंट खदान और फैक्ट्री के विरोध प्रदर्शन से दूर रहने का दबाव बनाया गया। साथ ही धमकी दी गई कि यदि वे आंदोलन से अलग नहीं हुए तो घर में घुसकर पूरे परिवार को खत्म कर दिया जाएगा। शिकायतकर्ता ने बताया कि इस धमकी के बाद से उनका पूरा परिवार दहशत में है। उन्होंने भविष्य में किसी अप्रिय घटना की आशंका जताते हुए कॉल डिटेल और रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के तौर पर पुलिस के समक्ष प्रस्तुत करने की बात कही है।

कार्रवाई न होने पर थाने के घेराव का अल्टीमेटम

किसान अधिकार संघर्ष समिति ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले में तत्काल संज्ञेय अपराध के तहत एफआईआर दर्ज कर निष्पक्ष जांच की जाए और पीड़ित परिवार को समुचित सुरक्षा दी जाए। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि 3 से 4 दिनों के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो क्षेत्र के 300 से 400 किसान व ग्रामीण लामबंद होकर छुईखदान थाने का घेराव करेंगे। वहीं मामले की वास्तविक स्थिति पुलिस की वैधानिक जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

कोचिया से 25 पौवा शराब एवं बिक्री रकम की जप्त

राजनांदगांव (दावा)। अवैध शराब कोचियों के खिलाफ बसंतपुर पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए एक शराब कोचिया को धर दबोचा है। पुलिस ने आरोपी के पास से 25 पौवा देशी प्लेन शराब और बिक्री की रकम 160 रुपए जब्त की है।

मोहारा बायपास के पास बेच रहा था अवैध शराब

थाना प्रभारी श्री देवांगन ने बताया कि 30 अगस्त को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि मोहारा बायपास रोड के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से देशी शराब बिक्री कर रहा है। सूचना पर थाना बसंतपुर पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी विनीत यादव पिता अशोक यादव उम्र 23 वर्ष निवासी संजय नगर वार्ड नं 36 को अवैध रूप से शराब बिक्री करते पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 25 पौवा देशी प्लेन शराब, कुल 4.500 बल्क लीटर, कीमती 2,000 रु. एवं बिक्री रकम रु. 160 जप्त की गई। आरोपी के विरुद्ध थाना बसंतपुर में 34(ए) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई।

बिजली के निजीकरण पर सीएम साय का कांग्रेस पर पलटवार : बोले– रुटीन प्रक्रिया को निजीकरण से जोड़ना पूरी तरह भ्रामक

0 मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया : सरकार की बिजली व्यवस्था के निजीकरण की कोई मंशा या प्रस्ताव नहीं

0 कांग्रेस जनता को गुमराह करने के लिए फैला रही दुष्प्रचार, भ्रमित न हों प्रदेशवासी : मुख्यमंत्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बिजली के निजीकरण को लेकर जारी सियासी घमासान के बीच मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कांग्रेस के आरोपों पर कड़ा पलटवार करते हुए इसे पूरी तरह भ्रामक और तथ्यहीन करार दिया है। मुख्यमंत्री ने दो टूक शब्दों में स्पष्ट किया कि राज्य सरकार की बिजली व्यवस्था के निजीकरण की कोई मंशा नहीं है और इस विषय पर विपक्ष द्वारा जनता के बीच अनावश्यक भ्रम फैलाया जा रहा है।

नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया को गलत रंग देने का प्रयास

पत्रकारों से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जिस जनसुनवाई को निजीकरण से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है, वह वस्तुतः एक नियमित एवं नियामकीय प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि किसी भी रूटीन प्रक्रिया का यह अर्थ कतई नहीं निकाला जा सकता कि सरकार बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपने जा रही है।

कांग्रेस कर रही है दुष्प्रचार

विपक्ष पर सीधा प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर जनता को गुमराह करने और दुष्प्रचार करने में जुटी है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे ऐसे भ्रामक दावों से बिल्कुल प्रभावित न हों। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि राज्य सरकार की ओर से बिजली के निजीकरण को लेकर न तो कोई प्रस्ताव विचाराधीन है और न ही ऐसी कोई मंशा है।

सियासी आरोप-प्रत्यारोप तेज

बिजली व्यवस्था को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। एक ओर जहां कांग्रेस इस मसले पर सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है, वहीं मुख्यमंत्री के इस स्पष्टीकरण ने साफ कर दिया है कि सरकार की नीतियां जनहितैषी और पारदर्शी हैं तथा जनता को किसी भी तरह की गलतफहमी में रहने की आवश्यकता नहीं है।

रॉयल सोलटेरा का भव्य शुभारंभ : सोलर पैनल से किसानों, व्यवसायियों और नागरिकों को मिलेगा बचत व आय का लाभ

3 किलोवाट सोलर पर मिलेगी 1.08 लाख तक की सब्सिडी
0 डाउन पेमेंट की भी सुविधा

राजनांदगांव (दावा)। जिले और प्रदेश को सौर ऊर्जा के जरिए ग्रीन एनर्जी की दिशा में सशक्त बनाने के उद्देश्य से रॉयल ग्रुप के नए प्रतिष्ठान 'रॉयल सोलटेरा' का भव्य शुभारंभ किया गया। पुराने बस स्टैंड चौक से टांका पारा रोड पर स्थित इस नए केंद्र के उद्घाटन अवसर पर राजनीति, समाज और व्यापार जगत के अनेक गणमान्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री एवं विधायक श्रीमती अनिला भेड़िया, विधायक दलेश्वर साहू, विधायक संगीता सिन्हा, विधायक भोला राम साहू, विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा, विधायक कुंवर सिंह निषाद, महापौर मधुसूदन यादव तथा आई.बी. के वाइस प्रेसिडेंट रिजवान खान सहित बड़ी संख्या में किसान, हितग्राही और नागरिक मौजूद रहे।

एक ही छत के नीचे मिलेंगे संपूर्ण सोलर समाधान

रॉयल ग्रुप के शाहिद भाई एवं आर्किटेक्ट मुख्तार खान ने बताया कि रॉयल सोलटेरा में देश की प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रीमियम रूफटॉप सोलर पैनल उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यहां घरेलू, कृषि, व्यावसायिक और औद्योगिक जरूरतों के अनुसार विभिन्न क्षमता के सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। साथ ही 0 डाउन पेमेंट और आसान वित्तीय किस्तों की सुविधा दी जा रही है ताकि आम नागरिक आसानी से सौर ऊर्जा अपना सकें।

सरकारी सब्सिडी व कुसुम योजना का मिलेगा लाभ

प्रतिनिधियों ने बताया कि सरकारी योजनाओं के तहत घर पर 3 किलोवाट का सोलर प्लांट लगाने पर 1,08,000 रुपये तक की सब्सिडी का प्रावधान है। वहीं पीएम कुसुम योजना के तहत किसान अपने खेतों में सोलर प्लांट लगाकर अगले 25 वर्षों तक बिजली उत्पादन के साथ अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। रूफटॉप पैनल के अलावा यहाँ सोलर स्ट्रीट लाइट, गार्डन लाइट, सोलर वॉटर हीटर, सोलर कैमरा और उन्नत लाइटिंग सिस्टम भी उपलब्ध हैं। सौर ऊर्जा से जुड़ी योजनाओं, लागत व सब्सिडी की विस्तृत जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 7067073706 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com